रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

सोमवार

18 मई - 2026

वर्ष 10, अंक 253

पेज 8, मूल्य 2 रुपए

रांची

पहला 'मेड इन इंडिया' एयरबस जल्द भरेगा उड़ान

सी-295 एयरबस परीक्षण के लिए तैयार, भारत को बड़ी सफलता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने रक्षा विमानन विनिर्माण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पहला स्वदेशी रूप से असेंबल किया गया एयरबस सी-295 विमान वडोदरा स्थित टाटा-एयरबस संयंत्र में बनकर तैयार हो गया है और अब यह उड़ान परीक्षण के लिए तैयार है। यह डेवलपमेंट 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी सैन्य विमान क्षमता विकसित करने के देश के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, भारतीय वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने हाल ही में वडोदरा संयंत्र में अंतिम असेंबली लाइन का दौरा किया ताकि भारत में निर्मित पहले सी-295 विमान की प्रगति का जायजा लिया जा सके।

भारत ने स्पेन के साथ 21935 करोड़ रुपये का किया था अनुबंध

बडोदरा संयंत्र का उद्घाटन 28 अक्टूबर, 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने किया था। भारत ने स्पेन के साथ 56 सी-295 विमानों के लिए 21,935 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। समझौते के तहत, 16 विमान स्पेन से उड़ान भरने की स्थिति में भेजे जा रहे हैं, जबकि शेष 40 विमानों का निर्माण भारत में मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है।

सी-295 एयरबस की खासियत

एयरबस सी-295 भारतीय वायु सेना के पुराने एवरो-748 विमानों के बेड़े की जगह लेगा। इस एयरबस का उपयोग आपदा राहत, पैराशूट जंपिंग, समुद्री निगरानी, रसद और हथियार पहुंचाने के लिए भी किया जाता है। शानदार पेलोड के साथ यह विमान एक बार में 9,000 किलोग्राम तक का वजन ले जाने में पूरी तरह सक्षम है। इस एयरबस में एक साथ 70 सैनिक या 48 पैराट्रूपर्स को ले जाया जा सकता है। मेडिकल इमरजेंसी के दौरान इसमें एक बार में 24 स्ट्रेचर और 7 चिकित्साकर्मी फिट किए जा सकते हैं। यह दो प्रैट एंड व्हिटनी टर्बोप्रॉप इंजनों से संचालित होता है और इसमें कम दूरी में टेक-ऑफ और लैंडिंग की क्षमता है। यह मात्र 670 मीटर के छोटे रनवे से टेक-ऑफ और 320 मीटर में लैंड कर सकता है। यह एयरबस पहाड़ी और ऊबड़-खाबड़ एयरस्ट्रिप पर भी आसानी से लैंड कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

इबोला को लेकर ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी का ऐलान

- डब्ल्यूएचओ ने कांगो और युगांडा में 88 मौतों के बाद लिया फैसला

किंसासा (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अफ्रीका के दो देशों में इबोला महामारी के चलते सैकडों मौतों के बाद ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दी है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में इबोला महामारी के चलते 88 लोगों की मौत रिपोर्ट की गई है। इसके अलावा 300 से ज्यादा संदिग्ध मामले दर्ज हुए हैं, जिसके बाद

दुनिया भर में महामारी के खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानम घेब्रेयसस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसे अंतराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालघोषित किए जाने की जानकारी दी है। रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट में अधानम ने कहा कि यह प्रकोप महामारी आपातकाल के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, लेकिन पड़ोसी देशों में इसके और फैलने का बहुत ज्यादा जोखिम है।

इबोला के इस वेरिएंट का इलाज नहीं

BVD इबोला का एक रेयर टाइप है, जिसके लिए अभी कोई वैक्सीन या इलाज नहीं है। कांगो और युगांडा में 20 से ज्यादा बार इबोला महामारी फैल चुकी है, लेकिन यह तीसरी बार है जब रिपोर्ट आई है। शुरुआती नमूनों में पॉजिटिविटी की उच्च दर को देखते हुए यह प्रकोप कहीं अधिक बड़ा हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि पड़ोसी देश युगांडा में दो मामलों को छोड़कर सभी केस कांगो में ही रिपोर्ट किए गए हैं।

आसमान से बरस रही 'आग' ने झुलसाया

सड़कों में निकलना हुआ मुश्किल, जल रहे दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम में राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र-विदर्भ से लेकर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 8 राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन इलाकों में पारा लगातार 40 डिग्री से ऊपर चल रहा है। दिन के साथ रातें भी गर्म हो

- भीषण गर्मी का संकट, तप रहे देश के आठ राज्य
- महाराष्ट्र का अमरावती व वर्धा देश में सबसे गर्म

रही हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के अमरावती और वर्धा देश के सबसे गर्म शहर रहे। दोनों शहरों का तापमान 46 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। यूपी के बांदा, मध्य प्रदेश का नौगांव और खंडवा में भी पारा 44 से ज्यादा रहा। इधर, गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास बनी जंगल सफारी (सरदार पटेल जूलॉजिकल पार्क) में जानवरों और पक्षियों के लिए एसी, कूलर और स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। वडोदरा के सायाजीबाग जूलॉजिकल पार्क ने जानवरों और पक्षियों को गर्मी से बचाने के लिए ठंडक के कई इंतजाम किए हैं। इनमें पानी का छिड़काव,बर्फ के टुकड़े शामिल हैं।

राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट

बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश के साथ बिजली गिरने का अलर्ट है। राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट है। रातें भी गर्म रहेंगी। छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी हीटवेव चलेगी।

एमपी में पारा 43 पार, नौगांव-खंडवा सबसे गर्म

प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। इंदौर और उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा गर्मी है। शनिवार को नौगांव और खंडवा में पारा 44 डिग्री के पार रहा। वहीं, 15 शहरों में तापमान 43या इससे ज्यादा दर्ज किया गया। रतलाम में इतनी तेज धूप थी कि मोबाइल ही बंद हो गया। यूपी के 22 शहरों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। बांदा लगातार पांचवें दिन सबसे गर्म शहर रहा। तापमान 44.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। अगले 5 दिन में गर्मी और सख्त तेवर दिखाएगी। प्रदेश के आधे से ज्यादा शहरों में लू चलेगी। पिछले 24 घंटों में उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में तेज आंधी, गरज-चमक और हल्की से मध्यम बारिश हुई।

दि बर्निंग ट्रेन बनी त्रिवेंद्रम दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस

2 कोच में लगी भीषण आग, बड़ा हादसा होने से बचा

15 मिनट में 68 यात्री बाहर निकाले, सभी हैं सुरक्षित

कोटा (एजेंसी)। कोटा मंडल में त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के 2 कोच में आग लग गई। हादसा रविवार सुबह करीब 5.15 बजे कोटा मंडल के लूणी रीछा-विक्रमगढ़ आलोट (मध्य प्रदेश) स्टेशन के बीच हुआ। आग ट्रेन के कोच नंबर बी-1 और उसके पीछे लगे सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में लगी थी। हादसे की जानकारी के बाद कोटा जंक्शन पर हूटर बजने लगे। राहत और बचाव टीम मौके के लिए रवाना हुई। सीनियर डिवीजनल कॉमर्शियल मैनेजर सौरभ जैन ने बताया कि कोच में 68 यात्री सवार थे। आग लगने की खबर गार्ड ने सबसे पहले लोको पायलट को दी थी। इसके बाद ट्रेन को रुकवाया गया। पैसेंजर्स को बाहर निकाला। करीब 15 मिनट में पूरा कोच खाली कराया गया। कुछ मिनटों में ही आग पूरे कोच में फैल गई थी। हालांकि, इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कुछ पैसेंजर्स का सामान आग में जल गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

बिजली का कनेक्शन काटा, ट्रैफिक भी रोका

हादसे के बाद से दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर ट्रैफिक को रोका गया है। वहीं, ट्रेन का बिजली कनेक्शन काट दिया गया है। कोच को भी ट्रेन से काटकर अलग किया गया। करीब दो घंटे बाद कोच में लगी आग बुझा ली गई। पैसेंजरों को दूसरे कोच में शिफ्ट किया गया। ट्रेन को करीब साढ़े चार घंटे बाद कोटा के लिए रवाना किया गया।

8 से ज्यादा ट्रेनों के शेड्यूल पर असर

कोटा मंडल के डीआरएम अनिल कालरा ने बताया कि इस घटना के कारण 8 से 10 गाड़ियां प्रभावित हुई हैं। सुबह 9.30 बजे फिर से ट्रैफिक शुरू कर दिया गया था। पैसेंजर्स के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। वहां प्रभावित ट्रेनों के टाइमिंग की जानकारी ली जा सकती है।

बिहार में 60000 करोड़ का निवेश करेंगे अडानी

- छपरा में किया ऐलान, बताया इनवेस्टमेंट का प्लान

छपरा (एजेंसी)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने रविवार को कहा कि हमारा लक्ष्य अगले तीन से चार वर्षों में बिहार राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 50 हजार करोड़ रुपए से लेकर 60000 करोड़ रुपए तक का निवेश करना है। उन्होंने सारण के मस्तीचक में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल-अडानी सेंटर फॉर आई डिजीज के उद्घाटन के दौरान बिहार को लेकर अडानी ग्रुप की प्रोजेक्ट्स का जिक्र करते हुए कहा कि हमने भागलपुर जिले के पीरपैंती में

2400 मेगावाट पावर प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया है। इस प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम चल रहा है। साथ ही रोड प्रोजेक्ट पर भी काम चल रहा है। गौतम अडानी ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य बिहार की प्रगति और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अगले तीन से चार वर्षों में बिहार राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 50 हजार करोड़ रुपये से लेकर 60 हजार करोड़ रुपए तक का निवेश करना है। गौतम अडानी ने कहा कि बिहार की ग्रोथ का समय आ गया है। बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर की काफी आवश्यकता है। साथ रोड, इन्फ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिकीकरण की भी काफी जरूरत है। इस समय का बिहार की जनता को पूरा लाभ उठाना चाहिए। अडानी ग्रुप के चेयरमैन सारण के मस्तीचक में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल- अडानी सेंटर फॉर आई डिजीज के उद्घाटन और नए परिसर के भूमिपूजन के लिए बिहार पहुंचे थे। उनके साथ अडानी फाउंडेशन की चेयरपर्सन और पत्नी प्रीति अडानी भी थीं। उन्होंने गायत्री शक्तिपीठ में पूजा अर्चना की।

गोमूत्र से भोजशाला की शुद्धि गर्भगृह में अखंड ज्योत स्थापित

- एएसआई की नई गाइडलाइन के बाद पहली बार मां वाग्देवी की आराधना

धार (एजेंसी)। धार की ऐतिहासिक भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की नई गाइड लाइन लागू होने के बाद रविवार को विधिवत पूजा-अर्चना की गई। भोज उत्सव समिति और हिंदू समाज के लोगों ने सूर्योदय के साथ ही मां वाग्देवी की आराधना की और सुबह 11.45 बजे आरती की। रविवार सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां वाग्देवी के चित्र लेकर भोजशाला पहुंचे। समिति ने सबसे पहले परिसर को गंगाजल-गोमूत्र से शुद्ध किया। इसके बाद गर्भगृह को रंगोली से सजाया गया। परिसर के बाहर स्थित ज्योति मंदिर की अखंड ज्योत को भी गर्भगृह में स्थापित किया गया। इसके साथ ही सूर्योदय से ही मंत्रोच्चार, देवी अनुष्ठान और वास्तु पूजन शुरू हो गया।

होटवार जेल में महिला कैदी गर्भवती: बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री श्री सोरेन पर साधा निशाना

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ,झारखंड/

रांची। झारखंड की राजधानी रांची स्थित होटवार केंद्रीय कारा में न्यायिक हिरासत में बंद एक महिला कैदी के साथ कथित यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। जेल सुपरिंटेंडेंट पर महिला कैदी को बार-बार शोषित कर उसे गर्भवती बनाने का आरोप लगा है।भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने इस प्रकरण को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायिक अभिरक्षा में बंद महिला कैदी का शारीरिक शोषण जेल सुपरिंटेंडेंट द्वारा किया गया, जिससे वह गर्भवती हो गई।मरांडी के मुख्य आरोप बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि

बाईं ओर बाबूलाल मरांडी तथा दाईं ओर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तस्वीर

पीड़िता को इलाज के बहाने विभिन्न स्थानों और चिकित्सालयों में ले जाकर गर्भ संबंधी जैविक साक्ष्यों तथा फॉरेंसिक प्रमाणों को नष्ट करने की सुनियोजित साजिश रची जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जेल महानिरीक्षक (आईजी) पूरे मामले को दबाने, फाइलें गायब करने और दोषी सुपरिंटेंडेंट को संरक्षण देने में सक्रिय हैं। साथ ही, घटना के संभावित गवाह जेल कर्मचारियों को योजनाबद्ध तरीके से स्थानांतरित कर चुप कराने का प्रयास किया जा रहा है।कार्रवाई की मांग

बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री से सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा, 'स्पष्ट सुन लीजिए, यदि शोषण करने वाले जेल सुपरिंटेंडेंट और साक्ष्य मिटाने वाले जेल आईजी को तुरंत पदमुक्त कर गिरफ्तार नहीं किया गया तो यह सिद्ध हो जाएगा कि जेलों में महिलाओं के शोषण में आप और आपके अधिकारी भी संलिप्त हैं। 'यह मामला झारखंड की जेल व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है। फिलहाल राज्य सरकार और जेल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। विपक्षी दलों ने इस घटना की निष्पक्ष जांच की मांग तेज कर दी है।

देश में अब डर और धमकी की हो रही राजनीति

मौलाना अरशद मदनी बोले-मुसलमान झुकेगा नहीं

सहारनपुर (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने दावा किया है कि देश में इस्लाम को निशाना बनाया जा रहा है। डराया-धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा- केवल

- वंदे मातरम के खिलाफ कोर्ट जाने का किया ऐलान

मुसलमान ही नहीं इस्लाम भी निशाने पर है। देश में अब नफरत की राजनीति की जगह डर और धमकी की राजनीति ने ले ली है। मुसलमानों को यह एहसास दिलाने की कोशिश की जा रही है कि उन्हें अब शर्तों के साथ जीवन बिताना होगा। वर्तमान सरकार इस्लाम को

नुकसान पहुंचाना चाहती है। दरअसल, मदनी दिल्ली में जमीयत के कार्यसमिति के दो दिवसीय अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऐलान किया कि मदरसों की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्रीय और प्रांतीय मदरसा बोर्ड बनाएंगे।

वंदे मातरम को जन गण मन का दर्जा देने के खिलाफ कोर्ट जाएंगे- मौलाना अरशद मदनी ने कहा- वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन के समान दर्जा देने, सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों में अनिवार्य किए जाना संविधान की मूल भावना और धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। अगर सरकार यह निर्णय वापस नहीं लेती तो जमीयत अदालत का दरवाजा खटखटाएगी।

सरकार इस्लाम को नुकसान पहुंचाना चाहती है

मौलाना ने कहा- देश में अब नफरत की राजनीति की जगह डर और धमकी की राजनीति ने ले ली है। मुसलमानों को यह एहसास दिलाने की कोशिश की जा रही है कि उन्हें अब शर्तों के साथ जीवन बिताना होगा। पहले की सरकारों ने मुसलमानों को नुकसान पहुंचाया लेकिन वर्तमान सरकार इस्लाम को नुकसान पहुंचाना चाहती है।

पश्चिम बंगाल और असम में चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन हुआ

मौलाना मदनी ने कहा- पश्चिम बंगाल और असम में खुलेआम चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन हुआ। मुसलमानों को सार्वजनिक रूप से धमकियां दी गईं। चुनाव जीतने के बाद भी यह सिलसिला जारी है। अगर कोई मुख्यमंत्री यह कहता है कि मुसलमानों ने हमें वोट नहीं दिया इसलिए हम उनका काम नहीं करेंगे तो यह संविधान और लोकतंत्र दोनों का अपमान है। लोकतंत्र हर नागरिक को अपनी पसंद का नेता चुनने का अधिकार देता है और किसी दल को वोट न देना कोई अपराध नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

खरसावां में पुलिस की सफलता, पांच लोगों को वापस मिले खोए हुए मोबाइल

सरायकेला, एजेंसी। झारखंड में सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां थाना पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से बड़ी सफलता हासिल करते हुए पांच लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल वापस दिलाए। थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी गौरव कुमार ने मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंपे, जिससे लोगों के चेहरों पर खुशी लौट आई। खरसावां पुलिस ने 28 जनवरी 2025 में गुम हुए कुचाई के तुरीसाई गांव के करण हो के मोबाइल को बरामद कर वापस लौटाया। करण हो ने खरसावां पुलिस का आभार जताते हुए कहा कि करीब 15 महीने पहले गुम हुए मोबाइल फोन मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी, लेकिन पुलिस की सक्रियता से उन्हें अपना फोन वापस मिल गया। इसके अलावा, खरसावां के दिरीगोडा गांव के गुलशशान कालिंदी, दुरुसाई गांव के सुनील कुमार महतो, असुरा गांव के लक्ष्मण माझी का मोबाइल फोन पिछले वर्ष 2025 में गुम हुआ था, जबकि कांटाडीह के लखीराम टुडू का मोबाइल फोन जनवरी 2026 को गुम हुआ था। इन्हें भी खरसावां थाना प्रभारी गौरव कुमार ने खोया हुआ फोन वापस किया।

हजारीबाग के आकाश जैन बने एनटीए के जॉइंट डायरेक्टर, अब नीट परीक्षा की संभालेंगे जिम्मेदारी

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग जिले के आईआरएस आकाश जैन को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में जॉइंट डायरेक्टर बनाया गया है। अब देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के आयोजन की अहम जिम्मेदारी उनके हाथों में होगी। आकाश जैन ने अपनी 10वीं की पढ़ाई संत जेवियर स्कूल हजारीबाग से पूरी की। पढ़ाई के दौरान से ही वे मेधावी छात्र रहे हैं। वर्ष 2013 में उन्होंने यूपीएससी परीक्षा पास कर प्रशासनिक सेवा में अपनी पहचान बनाई थी। उनका घर शहर के झंडा चौक के पास है। आकाश जैन की इस उपलब्धि से हजारीबाग में खुशी का माहौल है। शहरवासियों ने इसे पूरे जिले के लिए गर्व का क्षण बताया है। युवाओं के लिए उनकी सफलता प्रेरणा बन गई है। मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है।

नोवामुंडी में सड़क किनारे गिरकर घायल हुआ युवक, इलाज जारी

नोवामुंडी, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी से दुर्घटना में एक युवक के घायल होने की खबर सामने आई है। नोवामुंडी के जेटेया थाना क्षेत्र अंतर्गत कोटगढ दुधबिला मोड़ के पास पुलिया के निकट एक सड़क दुर्घटना में 18 वर्षीय युवक दुर्गा पुरती घायल हो गया। जानकारी के अनुसार सरबिल गांव का निवासी दुर्गा पुरती सड़क किनारे किसी कार्य से गुजर रहा था, तभी अचानक अनियंत्रित होकर गिर पड़ा। जिससे उसे गंभीर चोटें आई। घटना के बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना नोवामुंडी थाना प्रभारी नयन कुमार सिंह को दी। घटना के बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना नोवामुंडी थाना प्रभारी नयन कुमार सिंह को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नोवामुंडी स्थित टीएमएच की एंबुलेंस को मौके पर भेजा। पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल युवक को प्राथमिक उपचार दिलाते हुए बिना देर किए अस्पताल पहुंचाया।

पाकुड़ में खेत से दो लोगों के शव बरामद, जहरीली शराब पीने से मौत होने की आशंका

पाकुड़, एजेंसी। जिले के सदर प्रखंड के सीतेशनगर गांव स्थित एक खेत में दो व्यक्ति का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार ने मृतकों के परिजन सहित आसपास के ग्रामीणों से दोनों के बारे में पूछताछ की। पूछताछ के क्रम में मृतकों की पहचान सीतेशनगर गांव के 55 वर्षीय नुरुद्दीन शेख और 45 वर्षीय मोती शेख के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ में यह पता चला कि दोनों प्रतिदिन शराब पीने के लिए साथ में निकलते थे। थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार को भी नुरुद्दीन और मोती एक साथ खेत की ओर दिन के लगभग 11 निकले थे और कुछ देर बाद ग्रामीणों ने दोनों के शवों को खेत में पाया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हो रहा है कि अत्यधिक और जहरीली शराब के सेवन से दोनों की मौत हुई है, लेकिन पुलिस हर पहलू पर मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत की असल वजह का पता चल सकेगा। इधर, नुरुद्दीन और मोती की मौत के बाद उनके घरों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है।पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शवों को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया।

बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस-लेफ्ट का प्रदर्शन

नीट पेपर लीक मामले के विरोध में उतरे आप कार्यकर्ता

रांची, एजेंसी। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमत को लेकर सीपीआई, माले और झारखंड कांग्रेस ने रांची के परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में नेताओं ने केंद्र की मोदी सरकार पर अपनी भड़ास निकाली। वहीं आम आदमी पार्टी के नेता-कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन किया। नेताओं ने कहा कि देश के 23 लाख प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ हुआ है।

माले के राज्य सचिव के नेतृत्व में प्रर्दशन : प्रदर्शन को नेतृत्व कर रहे माले के प्रदेश सचिव मनोज भक्त ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर जनता के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री जनता को संयम और बचत का उपदेश दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार करोड़ों रुपए विशेष विमानों, बड़े-बड़े काफिलों और चुनावी प्रचार पर खर्च कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल सस्ता नहीं किया गया और तेल कंपनियों को मुनाफा पहुंचाने के लिए जनता से लगातार लूट की।

कांग्रेस ने फूंका पीएम मोदी का पुतला : ईंधन की

बढ़ती कीमतों को लेकर झारखंड कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से आक्रोश मार्च के रूप में निकले। जिसमें सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता के साथ कांके विधायक सुरेश बैठा और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

केशव महतो कमलेश ने कहा कि जब जनता को राहत भरी घोषणाओं की आवश्यकता है, तब मोदी जी जनता को सोना नहीं खरीदने, विदेश नहीं जाने, किसानों से यूरिया की खपत कम करने की सलाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के मंत्री और उनके पदचिन्हों पर चलने वाले नेता साइकिल, बस, मेट्रो ई-रिक्शा से चलने का दिखावा कर रहे हैं। केशव महतो ने कहा कि जनता को ठोस समाधान चाहिए, झूठी और कोरी गप्पबाजी नहीं, राहत चाहिए सलाह नहीं।

बोकारो कांग्रेस ने पीएम मोदी का फूंका पुतला : बोकारो में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी और पेट्रोलियम मंत्री का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश में लगातार बढ़ रही महंगाई से आम जनता परेशान है। अगर केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण नहीं कर सकती तो उसे इस्तीफा दे देना चाहिए। इस दौरान नीट की परीक्षा को लेकर भी सरकार पर जमकर हमला बोला और छात्रों के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया।

बढ़ती महांगाई को लेकर पाकुड़ में प्रदर्शन : पाकुड़ में जिला कांग्रेस की तरफ से बढ़ती पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीकुमार सरकार ने कहा कि मीडिल ईस्ट में जंग काफी दिनों से जारी है। लेकिन चुनाव के क्रम में प्रचार-प्रसार के लिए प्रधानमंत्री, गृहमंत्री सहित कई राज्यों के सीएम और नेताओं ने काफी ईंधन का दुरूपयोग किया। उस वक्त उन्हें याद नहीं था कि मीडिल ईस्ट में जंग के कारण ईंधन की कमी है। जैसे ही चुनाव खत्म हुए पीएम मोदी देश के लोगो को ईंधन बचाने, वर्क फॉर होम की सलाह और संदेश दे रहे हैं।

बकाया भुगतान को लेकर सफाई कर्मचारियों का अनोखा प्रदर्शन, कचरा फैलाकर शहर में निकाला जुलूस

देवघर, एजेंसी। शहर में पिछले कई दिनों से साफ-सफाई व्यवस्था पूरी से तरह प्रभावित है। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों और मुख्य सड़कों पर कचरे का अंबार लगा हुआ है। जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह फैली गंदगी के कारण लोगों में नाराजगी और हताशा देखी जा रही है। स्थानीय लोग लगातार नगर निगम से शहर की सफाई व्यवस्था जल्द बहाल करने की मांग कर रहे हैं।

सफाई कर्मियों ने की पीएफ और एरियर भुगतान की मांग

सफाई व्यवस्था बाधित होने के पीछे नगर निगम कर्मियों का विरोध प्रदर्शन मुख्य कारण बताया जा रहा है। देवघर नगर निगम के स्थायी सफाई कर्मचारी अपने बकाया वेतन, पीएफ और एरियर भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। हालांकि नगर निगम की ओर से निजी सफाई कर्मियों के माध्यम से शहर में सफाई व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन स्थायी कर्मचारियों के काम बंद करने से स्थिति सामान्य नहीं हो पा रही है।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि पिछले कई महीनों से उनका पीएफ और एरियर का भुगतान लंबित है। लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। इसी के विरोध में सफाई कर्मियों ने अपने संगठन के नेतृत्व में शहर के विभिन्न इलाकों से जुलूस निकाला और नगर निगम कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया।

नगर आयुक्त कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

नगर निगम कार्यालय पहुंचने के बाद कर्मचारियों ने नगर आयुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते हुए जल्द बकाया भुगतान की मांग की। वहीं सफाई कर्मचारियों के प्रदर्शन का तरीका भी चर्चा का विषय बना रहा। इसबार शहर की सफाई करने वाले कर्मियों ने विरोध के दौरान कई चौक-चौराहों पर कचरा फैलाकर अपना आक्रोश जताया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कर्मचारियों की मांग जायज हो सकती है। लेकिन शहर में कचरा फैलाने से आम जनता को परेशानी हो रही है। लोगों ने कहा कि कर्मचारियों के बकाया भुगतान का समाधान नगर निगम कार्यालय में बातचीत के जरिए होना चाहिए, न कि शहर को गंदा करके। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम से जल्द कर्मचारियों का बकाया भुगतान करने की मांग की है। साथ ही सफाई कर्मियों से भी आम जनता की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए आंदोलन करने की अपील की है।

कोडरमा के चर्चित नेहा राज हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, अवैध संबंध बना मर्डर की वजह

कोडरमा, एजेंसी। मिटको कॉलोनी में 14 मई को हुई नेहा राज हत्याकांड का पुलिस ने राज खोल दिया है। मृतका के पति शंभू राणा समेत उसके फुफेरे चाचा रोहित राणा और फुफेरी चाची देवंती देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सुनियोजित हत्या, चाकू से गला रेत दिया

पुलिस के अनुसार, रोहित राणा और देवंती देवी ने शंभू राणा की गैरमौजूदगी में उसके घर पहुंचकर नेहा राज को अकेला पाया। देवंती देवी ने पहले दुपट्टे से नेहा का गला दबाया, लेकिन जब वह सांस ले रही थी तब रोहित राणा ने घर में रखे चाकू से उसका गला काटकर हत्या कर दी। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज और फॉरेंसिक टीम से हुआ खुलासा

प्रारंभिक जांच में डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम को कोई ठोस सबूत नहीं मिले। बाद में मिटको कॉलोनी में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में रोहित राणा और देवंती देवी को घटना के समय आने-जाते देखा गया। इसी आधार पर पुलिस ने सलैया से दोनों को गिरफ्तार किया। कड़ी पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात स्वीकार कर ली।

बदले की भावना से की गई हत्या

एसपी कुमार शिवाशीष ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि रोहित राणा अपनी पत्नी देवंती देवी के साथ शंभू राणा के अवैध संबंधों से आक्रोशित था। उसने बदला लेने के लिए शंभू की पत्नी नेहा राज को निशाना बनाया। वहीं, शंभू राणा को भी देवंती देवी के साथ जबरन अवैध संबंध बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

लव मैरिज के बाद सफल व्यवसाय चला रहे थे दोनों

नेहा राज और शंभू राणा ने वर्ष 2017 में इंटर-कास्ट लव मैरिज की थी। शादी के बाद नेहा ने खुद अपनी मेहनत से एक बड़ा कॉपी प्लांट शुरू किया। दोनों पति-पत्नी मिलकर व्यवसाय को सफलतापूर्वक चला रहे थे।

अवैध संबंध कैसे बने हत्या की वजह?

जानकारी के अनुसार, शादी समारोह में शंभू राणा को अपनी फुफेरी चाची देवंती देवी से आकर्षण हुआ। बाद में मुंबई से मशीन लाने के बहाने वह देवंती के पास गया और दोनों के बीच अवैध संबंध बन गए। शंभू ने देवंती को ब्लैकमेल भी किया। जब यह बात रोहित राणा को पता चली तो उसने पत्नी के साथ हुए शोषण का बदला नेहा राज से लेने की ठान ली, जिसके परिणामस्वरूप यह हत्याकांड हुआ। पुलिस ने रोहित राणा व देवंती देवी को हत्या का आरोप में तथा शंभू राणा को अवैध संबंध बनाने के मामले में जेल भेज दिया है। आगे की जांच जारी है।

नशे के कारोबार के खिलाफ देवघर पुलिस का बड़ा प्रहार, छह तस्कर गिरफ्तार, भारी मात्रा में गांजा बरामद

देवघर, एजेंसी। शहर में नशे के कारोबार के खिलाफ देवघर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने शुक्रवार की देर रात विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर करीब 30 किलो अवैध गांजा बरामद किया है। साथ ही मामले में छह तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि देवघर एसपी प्रवीण पुष्कर ने की है।

एसपी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग नशे का कारोबार कर रहे हैं। सूचना सत्यापन के बाद एसडीपीओ अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। टीम ने जसीडीह थाना क्षेत्र और शहर के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की और रंगे हाथ छह मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने बताया कि पकड़े गए सभी आरोपी जंगल में नशा का सामान बेच रहे थे और लोगों तक पहुंचाने का काम भी कर रहे थे। जब इन इलाकों में छापेमारी की गई तो पुलिस को देखकर सभी तस्कर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने सभी को खदेड़कर पकड़ लिया। तस्करों के पास से कई मोबाइल, करीब 30 किलो

गांजा, हजारों रुपये नगद और फर्जी आई कार्ड सहित कई सामान जब्त किया गया है।

गिरफ्तारी को लेकर देवघर एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि पकड़े गए सभी अभियुक्त शहर में नशा का कारोबार करते थे। जिसमें राजेश यादव और विकास कुमार मंडल गांजा तस्करी के कारोबार में पूरी तरह से संलिप्त पाया गया है। वहीं रामदेव मेहता, दिनेश शाह, परशुराम और योगेंद्र मंडल यह सभी राजेश यादव और विकास कुमार मंडल से नशे का सामान खरीदते थे और फिर स्थानीय बाजार में बेचते थे।

एसपी ने बताया कि पकड़े गए छह आरोपियों में शामिल विकास कुमार मंडल पूर्व में रेलवे में अटेंडेंट का काम करता था। नॉर्थ ईस्ट जाने वाली ट्रेनों के माध्यम से वह गांजे की तस्करी करता था। उसने फिलहाल रेलवे में काम करना छोड़ दिया है और वर्तमान में पूरी तरह से गांजे की तस्करी में उतर गया है।पुलिस के अनुसार, गांजा की तस्करी में और भी कई लोगों के नाम सामने आ रहे हैं।

धनबाद में ई रिक्शा से निकले विधायक राज सिन्हा, युवाओं से की ईंधन बचाने की अपील

धनबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री द्वारा ईंधन की बचत, प्रदूषण नियंत्रण और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील का असर अब जनप्रतिनिधियों के व्यवहार में भी दिखने लगा है। धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने शनिवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए टोटो का इस्तेमाल कर लोगों को खास संदेश दिया है।

विधायक राज सिन्हा अपने आवासीय कार्यालय से इलेक्ट्रिक रिक्शा (टोटो) पर सवार होकर रणधीर वर्मा चौक पहुंचे। वहां से वे बरमसिया स्थित कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए। आमतौर पर चारपहिया वाहनों के काफिले के साथ नजर आने वाले विधायक को टोटो में सफर करते देख राहगीरों और समर्थकों में उत्सुकता देखी गई। लोगों ने इस पहल को अलग और सकारात्मक कदम बताया।

मीडिया से बातचीत में राज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि उसे व्यवहार में उतारने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से पेट्रोल-डीजल की खपत कम होगी, प्रदूषण घटेगा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे खुद उदाहरण प्रस्तुत करें।

उन्होंने लोगों से अपील की है कि अनावश्यक वाहन उपयोग से बचें और जहां संभव हो, ई-वाहनों को अपनाएं। विधायक ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े परिवर्तन की नींव रखी जाती है। उनके यह अनोखा अंदाज अब धनबाद में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने युवाओं से विशेष अपील की है। विधायक ने कहा कि युवा वर्ग बाइक का अनावश्यक रूप से इस्तेमाल ना करें। जरूरी पड़ने पर ही युवा बाइक का इस्तेमाल करें।

गढ़वा-मेदिनीनगर फोरलेन पर सड़क हादसा, मामा और भांजे की मौत

गढ़वा, एजेंसी। गढ़वा-मेदिनीनगर फोरलेन पर हुर गांव स्थित टोल प्लाजा के पास रविवार को सड़क हादसा हुआ। बालू लदे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार मामा-भांजे की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गढ़वा थाना क्षेत्र के ओबरा गांव निवासी राघो पाल के बेटे उदय पाल (25 वर्ष) और मेराल थाना क्षेत्र के चामा गांव निवासी रमेश पाल के बेटे अंकज पाल (22 वर्ष) के रूप में हुई है। इस घटना के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि उदय पाल को मजदूरी के काम के सिलसिले में विशाखापट्टनम जाना था। उसे ट्रेन पकड़वाने के लिए उसका भांजा अंकज पाल अपने ननिहाल (ओबरा गांव) आया हुआ था। रविवार को दोनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर पलामू जिले के गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन जा रहे थे, जहां से उदय को बनारस इंटरसिटी एक्सप्रेस पकड़नी थी। इसी दौरान हुर गांव टोल प्लाजा के पास विपरीत दिशा से आ रहे बालू लदे एक ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उदय पाल की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों को तुरंत गढ़वा सदर अस्पताल ले आई। यहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने उदय पाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल अंकज पाल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

खराब परीक्षा परिणाम पर डीईओ का एक्शन, शिक्षकों से मांगा गया स्पष्टीकरण

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय मुख्यालय जिला हजारीबाग का वार्षिक मैट्रिक परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं होने पर डीसी के संज्ञान लेने के बाद डीईओ ने 59 सरकारी विद्यालयों पर एक्शन लिया है। इसमें सभी 16 प्रखंड जैसे सदर, दारू, टाटीझरिया, इचाक, विष्णुगढ़, पदमा, बरही, बड़कागांव, केरेडारी, कटकमदाग, कटकमसांडी, बरकट्ठा, चलकुसा, डाडी, चौपारण एवं चुरचू में उत्क्रमित उवि, उवि, और प्ल्स टू के 400 से अधिक शिक्षकों को स्पष्टीकरण पूछा गया है।

इस संबंध में डीईओ कार्यालय की ओर से 13 मई को जारी पत्र में एक सप्ताह के भीतर शिक्षकों से स्पष्टीकरण का जवाब मांगा गया है। स्पष्टीकरण के साथ ही डीईओ प्रवीन रंजन ने शिक्षकों के मई महीने का वेतन स्थगित कर दिया है। इससे कुछ शिक्षक संगठन भड़क गए है। झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ ने शनिवार यानी 16 मई को जिला स्तर पर अपने संगठन की आपात बैठक कर एकजूटता का परिचय दिया है।

झारखंड अधिविध परिषद (जैक) की वार्षिक मैट्रिक परीक्षा में हजारीबाग का इस वर्ष 2026 में राज्य स्तर पर 14वां स्थान है। 2025 में हजारीबाग सातवें

स्थान पर था। डीईओ ने जारी पत्र में कहा है कि स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता, नियमित रूप से विद्यार्थियों की टेस्ट परीक्षा और उपलब्ध संसाधन के बावजूद परीक्षाफल की समीक्षा में पता चलता है कि शिक्षक अपने कर्तव्यों के प्रति सजग नहीं है। इससे पहले डीसी हेमंत सती जिला स्तर पर शिक्षा विभाग की समीक्षा किया। इसमें उम्मीद के अनुसार हजारीबाग का बेहतर परीक्षा परिणाम नहीं होने पर शिक्षा पदाधिकारी को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। पहले डीसी ने लिया संज्ञान फिर डीईओ के एक्शन बाद बाद शिक्षकों पर हुई कार्रवाई से कुछ शिक्षक संगठन आहत है।

झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के कार्यकारी महासचिव रविन्द्र चौधरी ने कहा कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा 2026 में जब मैट्रिक की टेस्ट परीक्षा पिक आवर में था तब कई शिक्षकों को विद्यार्थियों के आय, जाति और आवासीय जैसे कागजात बनाने के कार्य में लगा दिया गया। रविंद्र चौधरी कह रहे हैं कि शिक्षकों को एक, दो, तीन और चार नहीं बल्कि अलग-अलग 25 से अधिक गैर-शैक्षणिक कार्यों में नियमित रूप से लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा यह जिला स्तर की बात नहीं है। शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाना राज्य स्तर की बात हो गई है। इस पर सरकार को गंभीरता पूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। हम सभी शिक्षक कड़ी मेहनत कर विद्यार्थियों को शिक्षित कर रहे हैं। ऐसे में हमारी हौसला अफजाई (बढ़ाने) के बजाय कार्रवाई हो रही है। शिक्षकों पर कार्रवाई बंद होनी चाहिए। हम सभी शिक्षक बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए और इसके आगे कड़ी मेहनत करने को तैयार हैं। इस तरह कार्रवाई कर हम सभी शिक्षकों को एकजुटता का परिचय देने पर शिक्षा विभाग ने मजबूर किया है।

संक्षिप्त समाचार

पतरातू मार्ग पर मुर्गा-मछली दुकानों से जाम और गंदगी की समस्या

पतरातू, एजेंसी। झारखंड के रामगढ़ जिले के पतरातू-रांची मुख्य मार्ग पर प्रखंड मुख्यालय से करीब 200 मीटर की दूरी पर शहीद भगत सिंह चौक के पास सड़क किनारे खुलेआम मुर्गा और मछली की दुकानें सज रही हैं। नियमों को ताक पर रखकर संचालित इन दुकानों के कारण सड़क पर अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। खरीदारी करने वालों की भीड़ और सड़क किनारे वाहनों के खड़े रहने से आम राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे अव्यवस्थित तरीके से चल रही इन दुकानों के कारण इलाके में गंदगी का अंबार लगा रहता है। मुर्गा और मछली के अवशेष खुले में फेंके जाने से दुर्गंध फैलती है, जिससे आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। बरसात और गर्मी के दिनों में संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी रहती है। हैरानी की बात यह है कि प्रतिदिन प्रखंड और अंचल कार्यालय के अधिकारी इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं, इसके बावजूद अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों ने प्रशासन से सड़क किनारे लगने वाली इन दुकानों को व्यवस्थित करने तथा साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके और लोगों को गंदगी से राहत मिले।

कांग्रेस की दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की संयुक्त बैठक आयोजित, जनहित मुद्दों और संगठन मजबूती पर मंथन

गुमला, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी की दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल अंतर्गत रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा एवं सिमडेगा जिला की संयुक्त बैठक बाइपास रोड स्थित स्वर्णभूमि बैंक्वेट हॉल में आयोजित की गयी। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा ने किया। बैठक में मुख्य रूप से कांग्रेस के प्रमंडल प्रभारी बंधु तिर्की, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, प्रदेश सचिव अकील रहमान, प्रदेश सचिव रोशन बरवा, खूंटी जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा तथा प्रदेश संयोजक पीटर मुंडू उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत बुके एवं अंगवस्त्र देकर किया गया। बैठक में बंधु तिर्की ने कहा कि हाल ही में कई समितियों का गठन किया गया है और कैंपेनिंग कमेटी के तहत दक्षिणी छोटानागपुर की जिम्मेदारी उन्हें मिली है। उन्होंने कहा कि पांचों प्रमंडलों में यह पहली बैठक है और संगठन को मजबूत करने के लिए सभी पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने अनुपस्थित सांसदों, विधायकों एवं जिला अध्यक्षों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि संगठन सर्वोपरि है और जिम्मेदारी नहीं निभाने वालों की रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी को भेजी जाएगी। बंधु तिर्की ने कहा कि अब केवल औपचारिकता से काम नहीं चलेगा। पार्टी के पदेन पदाधिकारी पार्टी के लिए समय दें। जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करें। उन्होंने पेशा कानून की चर्चा करते हुए कहा कि ग्रामसभा और पेशा कानून की जानकारी कार्यकर्ताओं को होना जरूरी है। पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ सड़क पर उतरने की जरूरत है। भाजपा और आरएसएस पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दों को लेकर आंदोलन तेज करना होगा। उन्होंने जिला अध्यक्षों को ज्वलंत समस्याओं की सूची बनाकर आंदोलनात्मक कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि संगठन में संवाद की कमी को दूर किया जायेगा और 'परिक्रमा वाला नेता' बनने की प्रवृत्ति छोड़नी होगी।

गढ़वा में अवैध पेट्रोल बेचने वालों पर एक्शन, 5 दुकानें सील

गढ़वा, एजेंसी। गढ़वा और मझिआंव क्षेत्र में परचून और जनरल स्टोर की दुकानों में अवैध रूप से पेट्रोल बेचने वालों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। अलग-अलग स्रोतों से मिल रही शिकायतों के आलोक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार ने कई दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस औचक कार्रवाई के दौरान सात दुकानों में अवैध रूप से पेट्रोल का भंडारण और बोतलों में भरकर अधिक कीमतों पर बेचने की बात सामने आई है। एसडीएम के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच दुकानों को मौके पर ही बंद (सील) करवा दिया गया, जबकि एक दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। जिन दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई, उनमें रामसागर राम, सुकृत मेहता, उमेश मेहता, सतीश कुमार पांडेय, राधाकृष्ण मेहता, सुभाष मेहता, प्रमोद प्रसाद केसरी का नाम शामिल हैं। जांच के दौरान पकड़े गए दुकानदारों ने जिन पेट्रोल पंपों से ईंधन की आपूर्ति होने की बात स्वीकार की है, प्रशासन अब उनपर भी शिकंजा कस रहा है। एसडीएम ने बताया कि संबंधित पेट्रोल पंप संचालकों से शो-कॉज किया जा रहा है और इस पूरे रैकेट में उनकी भूमिका की जांच जारी है। इसके अलावा, क्षेत्र में इस अवैध धंधे पर रोक लगाने में लापरवाही बरतने के आरोप में अंचल पदाधिकारियों थाना प्रभारियों और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों से भी जवाब-तलब किया जा रहा है।

विलुप्त होती असुरी भाषा को बचाने की पहल, गुमला में होगा सर्वे

गुमला, एजेंसी। असुरी भाषा सहित झारखंड की अन्य आदिम जनजातियों की भाषाएं जैसे कोरवा, बृजिया और बिरहोर तेजी से विलुप्त होने के कगार पर हैं। इन सभी आदिम जनजातियों की भाषा को बचाने के लिए यूएस के एक एनजीओ और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि रांची काम करेगी। असुरी सहित सभी आदिम जनजातियों की भाषा को बचाने के लिए गुमला में सर्वे किया जाएगा।

असुरी भाषा को बचाने के उददेश्य से ही डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि रांची में एक कार्यक्रम हुआ था। जिसमें गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड स्थित पोलपोल पाट गांव के विमलचंद्र असुर की बेटी 12 वर्षीय बेटी सुकन्या असुर ने असुरी भाषा में अपनी बातों को रखते हुए सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया था। डॉ अभय सागर मिंज की पहल से सुकन्या असुर विश्वविद्यालय के समारोह में भाग ली थी और सुकन्या को मंच से बोलने का अवसर मिला था।

बता दें कि झारखंड राज्य के गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, लातेहार और छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिला के जंगल और पहाड़ों में आदिम जनजाति निवास करते हैं। इसमें 80 प्रतिशत से ज्यादा असुर अब हिंदी, सदरी या कुडुख बोलते हैं। घर में भी बच्चे असुरी नहीं सीख रहे। 15 साल की उम्र में असुरी भाषा बोलने वालों की संख्या घटते जा रही है। इसलिए असुर के अलावा कोरवा, बृजिया और बिरहोर जनजातियों की भाषा को बचाने के लिए एक मुहिम शुरू होगी। यह मुहिम गुमला से शुरू किया जाएगा।

असुर जनजाति के नेता विमलचंद्र असुर ने कहा है कि

आदिम जनजातियों की भाषा अब तक लिपिबद्ध नहीं हुई है। जिस कारण असुरी भाषा विलुप्त होते जा रहा है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि रांची में एक समारोह कर असुरी भाषा को कैसे जीवित रखा जाए। इसके लिए एक पहल हुई है। अब गांव-गांव में जाकर आदिम जनजातियों की विलुप्त हो रही भाषा को संरक्षित करने की पहल होगी। रांची में जैसा मेरी बात हुई है।

विवि की अलग-अलग टीम बनेगी जो गुमला के पहाड़ व जंगलों में रहने वाले आदिम जनजातियों के गांवों का सर्वे कर वहां बोली जाने वाली भाषाओं की जानकारी लेते हुए इसे लिपिबद्ध करने का काम किया जाएगा। इसमें यूएस की एक एनजीओ भी मदद करेगी।

विमलचंद्र असुर ने कहा है कि गुमला जिले के जंगल और पहाड़ों में जो स्कूल हैं। जिसके नजदीक में असुर, कोरवा, बृजिया व बिरहोर जनजाति के लोग रहते हैं। उन स्कूलों में एक जनजाति टीचर हो जो विलुप्त हो रही भाषाओं में बच्चों को पढ़ा सके। इससे जनजातियों की भाषा को बचाई जा सकेगी। अगर वर्ग एक से पांच तक की कक्षा में जनजातियों की भाषा को बचाने की पहल अभी नहीं हुई तो आने वाले कुछ वर्षो में जनजातियों की भाषा खत्म हो जाएगी। अभी मिलावटी भाषा का प्रचलन बढ़ गया है। जिसे रोकना जरूरी है। विमल ने बताया कि कुछ स्कूलों में असुर, कोरवा, बृजिया जनजाति के टीचर हैं जो अपने स्तर से भाषाओं को बचाने में लगे हुए हैं।

डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी विवि के प्रोफेसर डॉ अभय सागर मिंज ने कहा है कि असुरी भाषा की अपनी कोई लिपि नहीं बनी। मौखिक परंपरा से ही चलती आ रही है। बिना लिपि के किताब, अखबार, स्कूल कुछ नहीं बन पाया। आदिवासी होने के साथ असुर होना और मुश्किल है। लोग पहचान छिपाकर मुख्यधारा में घुलने की कोशिश करते हैं। आदिम जनजातियों की भाषा को बचाने की पहल होने वाली है। बहुत जल्द गुमला से असुरी भाषा को संरक्षित करने का अभियान शुरू होगा। ऐसे गुमला के कुछ असुर शिक्षक खुद से बच्चों को असुरी शब्द सिखाते हैं।

14 महीने बाद भाजपा नेता अनिल टाइगर का हत्यारा गिरफ्तार, इसी शूटर ने सीमेंट कारोबारी को भी मारी थी गोली

रांची, एजेंसी। पुलिस ने लंबी तलाश के बाद कुख्यात सुपारी किलर अभिषेक सिन्हा उर्फ सूरज को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरफ्तारी से न सिर्फ भाजपा नेता अनिल टाइगर हत्याकांड का मुख्य आरोपी पकड़ा गया है, बल्कि एक अन्य बड़े हमले का भी खुलासा हुआ है।

कोलकाता से हुई धरपकड़ : रांची पुलिस की विशेष टीम ने कोलकाता में छापेमारी कर अभिषेक सिन्हा उर्फ सूरज को गिरफ्तार किया। रांची के ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने इसकी पुष्टि की। सूरज पुलिस की नजरों से बचने के लिए लगातार शहर बदल रहा था।

राधेश्याम साहू पर भी सूरज का हमला : गिरफ्तारी के बाद पता चला कि 15 अक्टूबर 2025 को रांची के कटहल मोड़ के पास सीमेंट और छड़ के कारोबारी राधेश्याम साहू पर गोलीबारी का मुख्य शूटर भी यही सूरज था। हमले में राधेश्याम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले में 20 लाख रुपये की सुपारी मिलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने पहले इस कांड में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था, लेकिन मुख्य शूटर सूरज फरार था। उसके लिए विशेष स्ढ्ढञ्ज गठित की गई थी।

भाजपा नेता अनिल टाइगर की सरेआम हत्या : 26 मार्च 2025 को कांके थाना क्षेत्र के शिव मंदिर के पास होटल में बैठे भाजपा नेता अनिल महतो उर्फ अनिल टाइगर को अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पहले ही संदीप, अमन, रोहित वर्मा समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जमीन विवाद में सुपारी कांड का खुलासा : एसपी गौरव गोस्वामी के अनुसार, जमीन कारोबारी देवव्रत सहदेव ने अनिल टाइगर से जमीन को लेकर विवाद के चलते अभिषेक सिन्हा उर्फ सूरज को सुपारी दी थी। देवव्रत ने कोलकाता में बैठकर इस हत्या की साजिश रची। पैसे ट्रांसफर करने के अलावा जमीन बेचने के बाद मुनाफे में हिस्सेदारी का भी लालच दिया गया था। रांची पुलिस अब दोनों मामलों में सूरज से विस्तृत पूछताछ कर आगे की साजिशों का पता लगाने में जुटी है। इस गिरफ्तारी को रांची पुलिस की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत से उद्योग जगत प्रभावित, सप्लाई चेन बाधित होने से खाद्य सामग्री के बढे दाम

रांची , एजेंसी। पेट्रोल-डीजल की किल्लत आज तीसरे दिन भी जारी रही। राजधानी रांची के पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी लाइनें लगी रही। कुछ पेट्रोल पंप पूरी तरह बंद रहे। ऐसे में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। आम लोगों के साथ-साथ पेट्रोल डीजल की किल्लत का असर व्यवसाय जगत पर भी पड़ा है।

इंडस्ट्री में कर्मचारी की उपस्थिति प्रभावित हो रही है। वहीं डीजल की कमी के कारण वैकल्पिक पावर नहीं मिल रहा है। इधर, पेट्रोल-डीजल की कमी की वजह से घरेलू सामान के सप्लाई चेन पर भी व्यापक असर पड़ा है। रांची के प्रमुख गल्ला व्यवसायी जुबीन ठक्कर कहते हैं कि पेट्रोल-डीजल की किल्लत और दाम में हुई वृद्धि की वजह से बाहर से आने वाले सामानों के दाम जहां वृद्धि हुई है, वहीं आपूर्ति भी बाधित हुई है। इसमें उसना चावल, सरसो तेल, रिफाइन जैसे सामान शामिल हैं।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि यही स्थिति रही तो आने वाले समय में खाद्य सामानों के दामों में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होगी। हालांकि केंद्र सरकार ने यह कहा है कि 60 दिनों का बफर स्टॉक है। ऐसे में व्यवसायी और आम जनता को धैर्य से इस स्थिति का सामना करना चाहिए।

शासन-प्रशासन कालाबाजारी पर लगाए रोक -

चैम्बर : पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से बुरी तरह प्रभावित हो रहे व्यवसाय जगत पर चिंता जताते हुए चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मलहोत्रा कहते हैं कि यदि यह स्थिति आगे बनी रही तो राज्य और देश की घरेलू अर्थव्यवस्था काफी प्रभावित होगी।

ऐसे में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि कालाबाजारी पर जहां रोक लगे। वहीं सप्लाई चेन बाधित ना हो इसके लिए उचित प्रबंध किए जायें। आज की तारीख में डीजल पेट्रोल साधारण से साधारण व्यक्ति के लिए आवश्यक आवश्यकता की चीज हो गई है। ऐसे में लोग परिवहन कैसे करेंगे, यदि अपनी गाड़ी से नहीं चलकर पब्लिक ट्रांसपोर्ट का भी इस्तेमाल करते है तो वह भी तो डीजल से चलता है।

चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सब कमेटी चेयरमैन मुकेश अग्रवाल कहते हैं कि मध्य एशिया में युद्ध के कारण सप्लाई चैन बाधित होने की वजह से जहां तेल कंपनियों को भारी घाटा हो रहा है और केंद्र सरकार को भी क्षति उठानी पड़ रही है, वहीं देश की जनता को भी पेट्रोल डीजल की बढ़ी कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में धैर्य के साथ हम सभी को इसका सामना करना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ईंधन बचाने के लिए वर्क फ्रॉम होम जैसे उपाय सुझाए हैं, इसे अमल में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किल्लत की वजह से जिस तरह से व्यवसाय जगत प्रभावित हो रहा है। उससे महंगाई बढ़ेगी और लोगों की परेशानी फिलहाल कम होती हुई नहीं दिख रही है।

सर्पदंश से भाई-बहन की दर्दनाक मौत

धनबाद, एजेंसी। पूर्वी टुंडी से एक ऐसी दर्दनाक खबर सामने आई है, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं। कोरैया गांव में एक ही परिवार के दो मासूम भाई-बहन की सांप के काटने से मौत हो गई। रात तक जो बच्चे मां की गोद में हंस रहे थे, सुबह होते-होते वे हमेशा के लिए खामोश हो गए। इस हादसे ने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया है।

पूर्वी टुंडी प्रखंड की उकमा पंचायत स्थित कोरैया गांव में शनिवार की सुबह उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब एक मां ने अपने दोनों बच्चों को बेसुध पाया। छह वर्षीय महिमा सोरेन और तीन वर्षीय रितेश सोरेन रात में रोज की तरह एक साथ सोए थे। किसी को अंदाजा भी नहीं था कि रात के अंधेरे में मौत चुपके से उनके बिस्तर तक पहुंच चुकी है। सुबह जब दोनों बच्चों के मुंह से झाग निकलता देखा गया, तो मां की चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े। परिजन बिना समय गंवाए दोनों मासूमों को लेकर धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। एक पल में उस घर की सारी खुशियां उजड़ गईं। जिस आंगन में बच्चों की किलकारियां

गूंजती थीं, वहां अब सिर्फ मातम और सिसकियां सुनाई दे रही हैं। मां बार-बार अपने बच्चों को पुकार रही है, लेकिन अब कोई जवाब देने वाला नहीं।

परिवार की आर्थिक स्थिति भी बेहद कमजोर है। बच्चों के पिता श्यामलाल सोरेन तमिलनाडु में मजदूरी कर परिवार का पेट पालते हैं। फोन पर जब उन्हें अपने दोनों बच्चों की मौत की खबर मिली, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। सैकड़ों किलोमीटर दूर बैठा एक पिता अपने बच्चों का अंतिम दर्शन भी तुरंत नहीं कर सका। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मुखिया, वार्ड सदस्य और ग्रामीण पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और सांत्वना दी।

कांग्रेस करेगी महिलाओं के मंगलसूत्र की सुरक्षा, मंत्री इरफान अंसारी ने साधा भाजपा पर निशाना

जामताड़ा, एजेंसी। पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की अगुवाई में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की और जनता को धोखा देने का आरोप लगाया।

इस मौके पर मंत्री इरफान अंसारी ने भी केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बीजेपी पर हिंदू-मुस्लिम की लड़ाई लड़ाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती है।

इरफान अंसारी ने कहा कि देश की जनता महंगाई से परेशान है। पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी से जनता परेशान है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश घूम रहे हैं। इरफान अंसारी ने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी ने धर्म के नाम पर छह राज्यों में चुनाव जीता और अब प्रधानमंत्री मोदी विदेश घूम रहे हैं। छह राज्यों में सरकार बनाने के बाद भाजपा ने पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी हैं।

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि भाजपा का असली चेहरा सामने आ गया है। वे महिलाओं की सुरक्षा की बात करते हैं, लेकिन आज भाजपा असल में महिलाओं की कितनी सुरक्षा कर रही है, यह सामने आ गया है। महिलाओं को सोना खरीदने से रोक दिया गया है। अब वे अपने मंगलसूत्र कहां से लाएंगी? कांग्रेस महिलाओं और उनके मंगलसूत्र की सुरक्षा करेगी।

गढ़वा के चिरौंजिया आरसेटी परिसर में खुलेगा 'पलाश मार्ट', दीदियों के उत्पादों को मिलेगा बाजार

गढ़वा, एजेंसी। गढ़वा के चिरौंजिया आरसेटी परिसर में जल्द 'पलाश मार्ट' खुलेगा। डीसी अनन्य मित्तल की पहल से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं और ग्रामीण युवाओं के उत्पादों को बाजार मिलेगा, साथ ही स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

झारखंड के गढ़वा जिले के ग्रामीण युवाओं और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने सदर प्रखंड के चिरौंजिया स्थित भारत सरकार द्वारा संचालित एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान डीसी ने संस्थान की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए घोषणा की। उन्होंने कहा कि खुद सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की बिक्री और उन्हें बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए आरसेटी संस्थान परिसर में ही 'पलाश मार्ट' खोला जाएगा। इससे प्रशिक्षण लेने वाले लोगों और स्थानीय महिलाओं के उत्पादों को सीधा मंच मिल सकेगा। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने संस्थान की बुनियादी सुविधाओं को और मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने परिसर को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए जरेडा कंपनी को पत्र भेजने का निर्देश दिया, जिससे आरसेटी संस्थान में जल्द से जल्द सोलर पैनल स्थापित किया जा सके। उपायुक्त ने संस्थान के वर्कशॉप, किचन, लैब, कैंटीन और छात्रावास का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने यहां की साफ-सफाई और भोजन की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया।

गुमला में तेंदुआ का आतंक, वन विभाग ट्रेस करने में जुटा

गुमला , एजेंसी। गुमला जिला के कुरूमगढ़ वनक्षेत्र अंतर्गत चैनपुर प्रखंड के कई गांवों में एक तेंदुए का आतंक जारी है। तेंदुआ आए दिन किसी न किसी पशुपालक ग्रामीण के पशुओं का अपना शिकार बना रहा है। जिससे न केवल पशुपालक ग्रामीणों की चिंता बढ़ी हुई है, बल्कि क्षेत्र के ग्रामीण भी डर के साए में जीने को मजबूर हैं।

रात के अंधेरे में तेंदुआ अपनी मांद (गुफा) से निकलकर बड़े ही आराम से पशुपालक ग्रामीणों के पालतू जानवरों को अपना शिकार बनाने के बाद उसे घसीटकर अपनी मांद में ले जाता है। ग्रामीणों ने जंगल में तेंदुआ का मांद भी ढूंढ निकाला है। ग्रामीणों के अनुसार जमीन के ऊपर से चट्टानें हैं, जबकि चट्टानों के नीचे काफी लंबी-चौड़ी गुफा है। ग्रामीणों ने तेंदुआ को मांद में कई बार घुसते और निकलते देखा है। तेंदुआ द्वारा अब तक कई गांवों के पशुपालक ग्रामीणों के जानवरों का शिकार कर चुका है। कतारीकोना गांव के लालसाय असुर की एक गर्भवती गाय, कोल्हुकोना के धतरा कोरवा के तीन बैल और तीन बकरी, कच्चापाठ के नारायण असुर की एक गाय, चमरू कांवर के दो बैल, चमरी देवी की एक गाय, कृष्णा कांवर

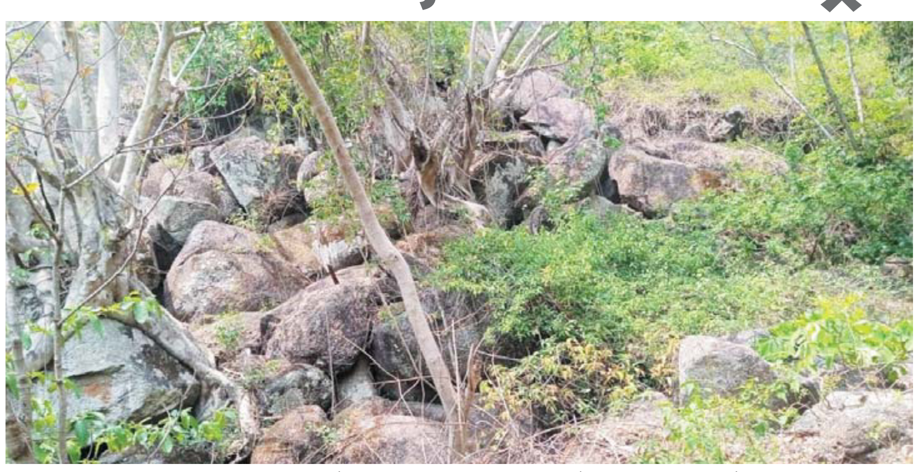

की एक गाय, प्रबल कावंर की एक गाय और सुखु उरांव की एक गाय का शिकार कर चुका है। संभवतः तेंदुआ द्वारा अन्य पशुपालक ग्रामीणों के पशुओं का भी शिकार किया गया हो।

तेंदुए का प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीण कोल्हुकोना निवासी धतरा कोरवा ने बताया कि तेंदुआ का मांद उसके घर से करीब तीन सौ मीटर की दूरी पर है। धतरा ने बताया कि चट्टानों में गुफा बना हुआ है। उन्होंने तेंदुआ को उसी गुफा में घुसते और निकलते देखा है। धतरा ने बताया कि तेंदुआ उसके तीन गाय और तीन बकरियों का शिकार कर चुका है। जिससे उसे काफी नुकसान हुआ है।

प्रभावित पशुपालक ग्रामीण चमरी देवी, कृष्णा उरांव और प्रबल कांवर ने बताया कि विगत कई दिनों से क्षेत्र में एक तेंदुआ घूम रहा है। तेंदुआ ग्रामीणों के पालतु पशुओं का शिकार कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि उनलोगों ने वन विभाग से मुआवजा की मांग की है। लेकिन विभाग द्वारा मारे गए पालतु पशुओं के लाश का फोटो मांगा जा रहा है। लेकिन फोटो उपलब्ध कराना मुश्किल है। क्योंकि तेंदुआ पशुओं का शिकार करने के बाद उसे घसीटकर अपनी मांद में ले जाता है। पशुओं का फोटो लेने के लिए तेंदुआ के मांद में घुसना मतलब जान से हाथ धोना है। तेंदुआ कब, कहां और किस जानवर का शिकार करेगा। कुछ कहा नहीं जा सकता। प्रभावित ग्रामीणों ने वन विभाग से मुआवजा की मांग की है।

इस मामले में गुमला डीएफओ अहमद बेलाल अनवर ने बताया कि तेंदुआ को ट्रेस करने के लिए जगह-जगह पर कैमरा ट्रैप लगाया गया है, लेकिन उसमें अभी तक तेंदुआ कहीं भी नजर नहीं आया है। अगर किसी ग्रामीण द्वारा तेंदुआ को कोल्हुकोना जंगल के किसी गुफा में देखा गया है तो इसकी जांच किया जाएगा। जिन पशुपालक ग्रामीणों के पशुओं को तेंदुआ द्वारा मारा गया है। उन सभी ग्रामीणों को मुआवजा दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में शादी के 16 दिन बाद ही दुल्हन हो गई फरार, खोज रही पुलिस

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर में शादी के महज 16 दिन बाद नवविवाहिता के घर से नकदी और लाखों रुपए के जेवरात लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। घटना जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के एक गांव की है। मामले में अब प्रेम प्रसंग का एंगल भी सामने आ रहा है। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत पर जांच में जुट गई है।25 तारीख को धूमधाम से हुई थी शादी : जानकारी के अनुसार, जितेन्द्र कुमार की शादी 25 अप्रैल को पियर थाना क्षेत्र की एक युवती से हुई थी। परिजनों के मुताबिक, शादी के बाद सबकुछ सामान्य चल रहा था। लेकिन शादी के 16वें दिन देर रात जब परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे, तभी नवविवाहिता घर में रखे 72 हजार रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गई।नकदी और गहने गायब थे : सुबह जब जितेन्द्र कुमार की नींद खुली तो पत्नी कमरे और घर में नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बाद में घर के बक्से और आलमारी की जांच की गई तो नकदी और गहने गायब पाए गए। इसके बाद परिवार ने दुल्हन पर सुनियोजित तरीके से घर से कीमती सामान लेकर फरार होने का आरोप लगाया।गायघाट थाना में दोनों तरफ से आवेदन : पीड़ित पति जितेन्द्र कुमार ने बताया कि मामले को लेकर गायघाट थाना में आवेदन दिया गया है। वहीं दूसरी ओर युवती के पिता ने भी दूल्हा पक्ष पर बेटी को गायब करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है।

विधायक के भतीजे पर लोहे की रॉड से हमला:नवादा में साइड न देने से शुरू हुआ विवाद, सोने के गहने लूटे

नवादा, एजेंसी। नवादा में विधायक के भतीजे कुंदन कुमार (29) के साथ मारपीट की गई है। जिसमें कुंदन गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावरों ने उनके सोने के गहने भी लूट लिए।कुंदन के बड़े भाई चंदन कुमार ने बताया कि वे अपने ट्रैक्टर से घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक काले रंग की ब्रेजा कार पीछे से आ रही थी और साइड मांग रही थी। जगह न होने के कारण चंदन साइड नहीं दे पाए। इससे गुस्साए कार सवारों ने गंगटा मुसहरी के पास गाड़ी रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी।चंदन अपने घर फुलमा पहुंच गए, लेकिन कार सवार वहां भी पहुंच गए और गाली-गलौज करते रहे। इसी दौरान चंदन के छोटे भाई कुंदन कुमार ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। इसके बाद कुंदन अपनी बहन के घर सकरपुरा डेरमा के रास्ते जा रहे थे।ब्रेजा में बैठे लोगों ने फोन करके 10-15 अन्य लोगों को बुला लिया और बाइक से कुंदन का पीछा किया। जसौली रेलवे फाटक के पास हमलावरों ने कुंदन को रोककर मारपीट की। इसके बाद उसे बेरहमी से पीटा। मारपीट में कुंदन का सिर फट गया और पेट व पैर में अंदरूनी चोटें आईं।हमलावरों ने बेल्ट, डंडे और लोहे की रॉड से उसे मारा और जान से मारने की कोशिश की। उन्होंने कुंदन के गले से दो भर की सोने की चेन, हाथ से दो भर का सोने का ब्रेसलेट और चार सोने की अंगूठियां छीन लीं, जिनकी कीमत लगभग 1 लाख रुपए बताई जा रही है। मारपीट के बाद हमलावर कुंदन को फ्रंटलाइन स्कूल के पास छोड़कर खानपुर गांव भाग गए। नेमदरगंज थाना में आवेदन देकर मुकदमा दर्ज कराई गई है। जहां भाजपा के हिसुआ विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनिल सिंह के भतीजा के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है।

'बच्चों को देने के लिए आज कुछ नहीं।।' लाइव क्लास में रो पड़े पटना वाले खान सर

पटना, एजेंसी। शनिवार को पटना वाले खान सर लाइव क्लास के दौरान नीट यूजी कैंडिडेट रितिक मिश्रा के इस दुनिया से जाने पर टूट गए और रो पड़े। उन्होंने कहा, 'आज एक शिक्षक अपने मंच पर असहाय महसूस कर रहा है। आज आपको देने के लिए हमारे पास कुछ नहीं बचता है।'' रितिक मिश्रा की मौत पर रो पड़े खान सर : नीट यूजी परीक्षा पेपर लीक मामले को खान सर केवल एक परीक्षा विवाद नहीं बल्कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ मानते हैं। उन्होंने कहा, लाखों बच्चे दिन-रात मेहनत करते हैं, परिवार कर्ज लेकर कोचिंग करवाता है और ऐसे में जब परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते हैं तो सबसे बड़ा नुकसान छात्रों का होता है। यह सिर्फ परीक्षा नहीं है, बच्चों की पूरी जिंदगी होती है। इस दौरान खान सर अपने आंसू नहीं रोक सके। आज मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं- खान सर : खान सर ने कहा, आज हम लोगों को एनटीए ने उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है कि हमें अपने बच्चों को देने के लिए कुछ नहीं है। खाली हाथ आ जाते हैं हमलोग, बच्चों को कहते हैं धीरज रखो, शायद कुछ अच्छा हो। यह कहकर खान सर भावुक हो उठे। खान सर ने आगे कहा कि शायद कोई लड़की सपना देख सकती थी कि वो डॉक्टर बन सकती है, शायद अब उसके सपने को तोड़ दिया जाएगा। शायद अब वह जिंदगी भर घर में काम करते-करते रह जाएगी। जब-जब उसको सपने आएंगे, चाहे वो बूढ़ा क्यों ना हो जाए, 40-50 उम्र की हो जाए। जब भी किसी डॉक्टर को देखेगी तो कहेगी, एनटीए वो तुम्ही थे जिसने मेरे सपने को तोड़ दिया है। याद रखो तुम्हारे घर में लोग चैन से नहीं सोएंगे जो बच्चों की भविष्य के साथ खेल रहा है।

नवादा में बालू माफियाओं का हमला

छापेमारी टीम पर फायरिंग, जब्त ट्रैक्टर छुड़ाकर फरार

नवादा, एजेंसी। बिहार के नवादा जिले में अवैध बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची खनन विभाग और पुलिस टीम पर बालू माफियाओं ने हमला कर दिया। नवादा-गया सीमा पर हिसुआ थाना क्षेत्र के लटावर गांव स्थित ढाढर नदी घाट पर छापेमारी के दौरान माफियाओं ने फायरिंग कर दी। इस दौरान पकड़े गए ट्रैक्टर और चालक को छुड़ाकर आरोपी फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। अवैध बालू खनन की सूचना पर पहुंची थी टीम : खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम को ढाढर नदी घाट पर अवैध बालू खनन की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम लटावर घाट पहुंची, जहां तीन ट्रैक्टरों पर अवैध रूप से बालू लोड किया जा रहा था। पुलिस को देखते ही चालक ट्रैक्टर लेकर भागने लगे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर नदी में फंस गया, जिसे टीम ने जब्त कर लिया और चालक को भी पकड़ लिया।

पिस्टल तानकर की फायरिंग : जब टीम जब्त ट्रैक्टर और चालक को लेकर आगे की कार्रवाई कर रही थी, तभी एक युवक वहां पहुंचा और पिस्टल तानकर फायरिंग शुरू कर दी। आरोपी ने पुलिस और खनन विभाग की टीम को गोली मारने की धमकी दी। अचानक हुई फायरिंग से अफरा-तफरी मच गई और टीम को पीछे हटना पड़ा। इसी दौरान आरोपी पकड़े गए चालक और ट्रैक्टर को छुड़ाकर फरार हो गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

दो और ट्रैक्टर जब्त, कई गांवों में छापेमारी : घटना के बाद पुलिस ने अतरी थाना पुलिस के सहयोग से बैकटपुर और दरियापुर गांवों में छापेमारी की। इस दौरान

अवैध खनन में इस्तेमाल हो रहे दो और ट्रैक्टर जब्त किए गए। पुलिस ने फायरिंग करने वाले युवक की पहचान बैकटपुर निवासी राजगोपाल के रूप में की है। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

आधा दर्जन आरोपियों पर केस दर्ज : खान निरीक्षक संतोष प्रकाश झा के बयान पर हिसुआ थाना में कांड संख्या 259/26 दर्ज किया गया है। इस मामले में आधा दर्जन आरोपियों को नामजद किया गया है। इनमें दरियापुर के विकास कुमार, वजीरगंज के दारोगी कुमार, लटावर के सुजित कुमार, प्रभात रंजन उर्फ धुन कुमार, गुड्डु कुमार और बैकटपुर निवासी राजगोपाल शामिल हैं। पुलिस सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

26 लाख से अधिक का जुर्माना : अवैध बालू खनन के मामले में प्रशासन ने कुल 26 लाख 78 हजार 125 रुपये का जुर्माना लगाया है। अलग-अलग ट्रैक्टर मालिकों, चालकों और अन्य आरोपियों पर भी लाखों रुपये का आर्थिक दंड निर्धारित किया गया है। प्रशासन का कहना है कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

'जल्द होगी गिरफ्तारी' : हिसुआ थानाध्यक्ष मृत्युंजय ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन और माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

सिटीजन फीडबैक में पटना देश में सेकेंड टॉप सिटी, स्वच्छ सर्वेक्षण में 4।5 लाख नागरिकों ने दिया फीडबैक

पटना, एजेंसी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत आम लोगों से उनके शहर की साफ-सफाई की व्यवस्था पर फीडबैक लिया जा रहा है। पटना शहर फीडबैक में देशभर में दूसरे स्थान पर है। इसका सीधा असर सर्वेक्षण में पटना की रैंकिंग पर भी होगा। अब तक लगभग साढ़े चार लाख पटना के लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से अपना फीडबैक दर्ज कराया है। स्वच्छ भारत मिशन ने इन आंकड़ों को जारी किया है। सिटीजन फीडबैक अभियान को सफल बनाने और आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से पटना नगर निगम ने वरीय पदाधिकारियों, कर्मचारियों और कंसल्टेंट्स की 2 सदस्यीय कुल 14 टीमें गठित की हैं।

शहर के प्रमुख कोचिंग हब बोरिंग रोड, मुसल्लाहपुर हाट, बाजार समिति और अशोक राजपथ स्थित कोचिंग संस्थानों और हॉस्टलों में बड़ी संख्या में छात्रों ने ऑन-द-स्पॉट फीडबैक दिया। इसके अलावा टीम की ओर से भीड़-भाड़ वाले इलाकों जैसे रेलवे स्टेशन, पार्क, चिड़ियाघर, मॉल, स्लम बस्तियों और प्रमुख चौक-चौराहों पर जा-जाकर लोगों को फीडबैक करने संबंधी डेमो भी दिया जा रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत निकायों का मूल्यांकन कुल 12,500 अंकों के आधार पर किया जाएगा। सर्टिफिकेशन में 2000 अंक, ऑन-ग्राउंड असेसमेंट में 9500 अंक और सिटीजन फीडबैक में 1000 अंक शामिल है।स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत नागरिकों से शहर की साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े 13 सवाल पूछे जा रहे हैं। इन सवालों में घर-दुकान से कचरा उठाव, सूखा-गीला कचरा सेग्रेगेशन, नियमित सफाई, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति, ऋऋसेंटर की जानकारी, शिकायत निवारण व्यवस्था, आदि विषय शामिल हैं।

सम्राट चौधरी ने 34 मंत्रियों को दी 38 जिलों की कमान,

निशांत वैशाली के प्रभारी तो विजय चौधरी को मिला पटना

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंत्रिमंडल के सभी 34 सदस्यों को जिला स्तर की जिम्मेदारी सौंप दी है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, सभी मंत्री अगले आदेश तक संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री और जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष होंगे। इस फैसले का मकसद विकास कार्यों की निगरानी को और प्रभावी बनाना है।

निशांत को प्रमुख जिले की जिम्मेदारी: निशांत को वैशाली जिले का प्रभारी बनाया गया है। वहीं वरिष्ठ मंत्री विजय कुमार चौधरी को पटना जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें नालंदा जिले का भी प्रभारी बनाया गया है। उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव को सारण जिले की जिम्मेदारी दी गई है। चार मंत्रियों को दो-दो जिलों का प्रभारः

सरकार ने चार मंत्रियों को एक से अधिक जिलों की जिम्मेदारी सौंपी है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी को पटना के अलावा नालंदा, श्रवण कुमार को पूर्वी चंपारण और शिवहर, विजय कुमार सिन्हा को गया और गोपालगंज तथा दिलीप कुमार जायसवाल को मुजफ्फरपुर और बांका जिले का प्रभारी बनाया गया है।

इस मंत्री को मुंगेर की जिम्मेदारीः लेशी सिंह को मधुबनी, रामकृपाल यादव को बेगूसराय, नीतीश मिश्र को भागलपुर, दामोदर रावत को समस्तीपुर, कुमार शैलेंद्र को दरभंगा और अशोक चौधरी को रोहतास जिले का प्रभारी बनाया गया है। जमा खान को जहानाबाद, मिथिलेश तिवारी को सहरसा, संजय कुमार सिंह को मुंगेर, दीपक प्रकाश को अरवल, श्रेयसी सिंह को सीतामढ़ी और बुलो मंडल को किशनगंज जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विकास कार्यों पर होगी सीधी नजरः इस व्यवस्था से प्रत्येक जिले में मंत्री स्तर पर सीधी निगरानी सुनिश्चित होगी। योजनाओं के क्रियान्वयन, जनसमस्याओं के समाधान और विकास परियोजनाओं की समीक्षा में तेजी आने की उम्मीद है। सरकार का मानना है कि जिला प्रभारी व्यवस्था से प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय बनेगा।

संगठनात्मक मजबूती का संदेशः यह फैसला मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की कार्यशैली को भी दर्शाता है। वे लगातार प्रशासन को और अधिक सक्रिय तथा जवाबदेह बनाने पर जोर दे रहे हैं। सभी मंत्रियों को क्षेत्रीय स्तर पर जिम्मेदारी देकर एनडीए सरकार ने विकास एजेंडे को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का रणनीतिक कदम उठाया है।

अगले आदेश तक लागू रहेगी व्यवस्थाः मंत्रिमंडल सचिवालय की अधिसूचना में साफ किया गया है कि यह व्यवस्था अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान सभी प्रभारी मंत्री अपने-अपने जिलों में नियमित समीक्षा बैठकें करेंगे और रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपेंगे।

मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा की चेतावनी- बिहार में गुंडे नहीं सुधरे तो पुलिस की रायफल पानी नहीं गोली उगलेगी

रोहतास, एजेंसी। बिहार में लगातार हो रहे पुलिस एनकाउंटर को लेकर सियासत तेज हो गई है। विपक्ष जहां सरकार पर सवाल उठा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे अपराध नियंत्रण की सख्त नीति बता रहा है। इसी बीच बिहार सरकार में योजना एवं विकास विभाग के मंत्री और जदयू नेता भगवान सिंह कुशवाहा ने बड़ा बयान देकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है।

अपराधियों को दी खुली चेतावनी : रोहतास पहुंचे मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने अपराधियों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि यदि गुंडे मवाली अपनी हरकतों से बाज नहीं आएंगे और जनता की संपत्ति लूटने का काम करेंगे तो पुलिस की राइफल पानी नहीं उगलेगी, बल्कि गोलियां उगलेगी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है तथा आम लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सासाराम दौरे के दौरान दिया बयान : दरअसल, मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा कैमूर से दिल्ली जाने के दौरान सासाराम पहुंचे थे। इस दौरान स्थानीय जदयू कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने बिहार में हाल के दिनों में हो रहे पुलिस एनकाउंटर पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

'पुलिस की गोली का निशाना अपराधी होंगे' : उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जब पुलिस की गोली चलेगी तो उसका निशाना सीधे अपराधी होंगे। यह कार्रवाई आम जनता को सुरक्षा देने के लिए की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग कानून हाथ में लेकर समाज में भय और अराजकता फैलाने का काम करेंगे, उनके खिलाफ पुलिस सख्ती से कार्रवाई करेगी। अपराधियों के मन में कानून का डर जरूरी : मंत्री ने कहा कि अपराधियों के मन में पुलिस का डर होना बेहद जरूरी है। यदि अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो जाएगा तो समाज में अराजकता बढ़ेगी। इसलिए सरकार और पुलिस प्रशासन अपराध नियंत्रण को लेकर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन लंगड़ा के तहत अपराधियों को अपाहिज किया जा रहा है और एनकाउंटर का अभियान बिहार में जारी रखना जरूरी है।

सरकार की जिम्मेदारी है जनता की सुरक्षा : भगवान सिंह कुशवाहा ने बिहार सरकार की कानून व्यवस्था की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में अपराध पर लगातार अंकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी हाल में अपराधियों को बख्शा नहीं जाए।

अनंत सिंह पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले में खारिज की स्टे याचिका

गोपालगंज, एजेंसी। झनर्तकी के डांस के दौरान बाहुबली विधायक अनंत सिंह के समर्थकों द्वारा हथियार लहराने के मामले में मोकामा के जेडीयू विधायक अनंत सिंह को फिलहाल कोर्ट से राहत नहीं मिली है। गोपालगंज व्यवहार न्यायालय की एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान गिरफ्तारी पर स्टे लगाने की मांग को अदालत ने खारिज कर दिया। गोपालगंज जिले के व्यवहार न्यायालय में आज अनंत सिंह मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई। इस दौरान उनके अधिवक्ता राजेश कुमार पाठक ने बचाव पक्ष की ओर से कई कानूनी दलीलें पेश कीं। उन्होंने पुलिस कार्रवाई की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बताया।

पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल : बचाव पक्ष का मुख्य तर्क था कि पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में कई कानूनी विसंगतियां हैं। अधिवक्ता ने अदालत से कहा कि गिरफ्तारी की प्रक्रिया उचित नहीं रही और पूरे मामले में राजनीतिक दबाव की आशंका है। इसी आधार पर कोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की गई।

गिरफ्तारी पर स्टे देने से कोर्ट का इनकार : हालांकि बचाव पक्ष की लंबी दलीलों के बावजूद अदालत ने फिलहाल गिरफ्तारी पर स्टे देने से इनकार कर दिया। इसे अनंत सिंह के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि अब भी गिरफ्तारी की संभावना बनी हुई है और कानूनी संकट बरकरार है।

20 मई को होगी अगली सुनवाई : कोर्ट ने मामले की गंभीरता और उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद सुनवाई को आगे बढ़ाने का फैसला लिया। एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 मई की तारीख तय की है।

ईओयू की कार्यपालक अभियंता के 4 ठिकानों पर छापेमारी, 2 करोड़ से अधिक की बेनामी संपत्ति का मामला

जमुई, एजेंसी। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने शुक्रवार को जमुई जिले के झाझा स्थित ग्रामीण कार्य प्रमंडल में तैनात कार्यपालक अभियंता गोपाल कुमार के चार अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। पटना के विशेष न्यायालय निगरानी से प्राप्त तलाशी वारंट के आधार पर की गई यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में की जा रही है।

81.5 प्रतिशत अधिक संपत्ति का आरोपः प्रारंभिक जांच में श्वह्न को पता चला है कि गोपाल कुमार ने लगभग 2 करोड़ 61 हजार रुपये की संपत्ति अपने ज्ञात आय स्रोतों से अधिक अर्जित की है। यह राशि उनकी वैध आय से करीब 81.5 प्रतिशत ज्यादा बताई जा रही है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत ईओयू थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पटना और जमुई में इन स्थानों पर तलाशीः छापेमारी पटना के मजिस्ट्रेट कॉलोनी स्थित जगत विला अपार्टमेंट के फ्लैट, कंकड़बाग के पूर्वी इंदिरा नगर रोड नंबर-4 स्थित मकान, जमुई के केकेएम कॉलेज के पास किराए के आवास और झाझा स्थित ग्रामीण कार्य प्रमंडल कार्यालय में की जा रही है। अलग-अलग टीमों द्वारा इन स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

दस्तावेज और संपत्तियों की जांच जारीः ईओयू की टीम बैंक खातों, निवेशों, जमीन संबंधी दस्तावेजों, आभूषणों और अन्य चल-अचल संपत्तियों का ब्यौरा जुटा रही है। तलाशी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन के रिकॉर्ड मिलने की संभावना जताई जा रही है। अभी तक जब्त की गई वस्तुओं की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

डीआईजी का बयानः आर्थिक अपराध इकाई के डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लों ने बताया कि तलाशी अभियान पूरा होने के बाद विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। फिलहाल सभी स्थानों पर जांच और दस्तावेजों का सत्यापन जारी है। कार्रवाई डीएसपी स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में की जा रही है।

रेड से विभाग में हड़कंपः बिहार में ईओयू द्वारा सरकारी अधिकारियों और इंजीनियरों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामलों में लगातार छापेमारी की जा रही है। यह कार्रवाई राज्य सरकार की भ्रष्टाचार पर सख्त नीति का हिस्सा बताई जा रही है। इस छापेमारी के बाद ग्रामीण कार्य विभाग समेत अन्य विभागों में हड़कंप की स्थिति है। अधिकारीयों में आशंका है कि आगे और छानबीन हो सकती है। इस कार्रवाई को विभागीय भ्रष्टाचार पर बड़ा झटका माना जा रहा है।

सासाराम के डिज्नीलैंड मेले में झूला टूटा:बच्चा-महिला समेत 3 घायल, रखरखाव में लापरवाही के कारण हादसा

सासाराम, रोहतास, एजेंसी। सासाराम में शुक्रवार देर शाम डिज्नीलैंड मेले में एक झूला टूट गया। पायलट बाबा आश्रम के पास लगे इस मेले में हुए हादसे में झूले पर सवार कई लोग नीचे गिर पड़े, जिससे बच्चे और महिलाओं समेत कई लोग घायल हो गए।

घटना के बाद मेला परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को संभालने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भेजा गया।

घायलों का ट्रामा सेंटर में चल रहा इलाज

घायलों में 10 वर्षीय धीरज कुमार, श्वेता सिंह(32) और सीमा देवी शामिल हैं, जिनका इलाज सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। मेले में मौजूद कुछ अन्य लोगों को भी मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, झूला अचानक तेज आवाज के साथ टूटा और उस पर सवार लोग सीधे जमीन पर आ गिरे। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए मेला पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया था। घायल सीमा देवी ने बताया कि मैं डिज्नीलैंड घूमने आई थी। इसी बीच अचानक कुछ टूटकर हमारे ऊपर गिर गया। इसके बाद मैं बेहोश हो गई। किसी ने ऑटो से मुझे अस्पताल पहुंचाया। होश आने पर पता चला कि शीशा का झुला टूटकर मेरे ऊपर गिरा था। कांच के टूकड़े से मेरे चेहरे और सिर पर चोट लगा है।

मैनेजर ब्रजेश पाठक ने बताया कि 12 लोग झूला में सवार थे। अचानक से उसका दरवाजा खुल गया। झूले का कांच टूटकर बाहर खड़े लोगों को लग गया, जिससे महिला बच्चे समेत 3 लोग घायल हुए है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि झूले में सवार किसी शख्स ने ही उसके साथ छेड़खानी की होगी, तभी ये हादसा हुआ है।

बिहार पुलिस में बड़ा फेरबदल, एक साथ 54 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस महकमे में प्रशासनिक फेरबदल का दौर लगातार जारी है। राज्य सरकार ने शुक्रवार को 61 डीएसपी और दो आईपीएस अधिकारियों के तबादले के बाद शनिवार देर रात एक और बड़ा आदेश जारी कर 54 डीएसपी स्तर के अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। गृह विभाग की अधिसूचना में कई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, पुलिस उपाधीक्षकों और अपर पुलिस अधीक्षकों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

महत्वपूर्ण विभागों में नई तैनातियां: सरकार के इस लगातार हो रहे प्रशासनिक फेरबदल को कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने तथा पुलिसिंग व्यवस्था में कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। खासकर साइबर क्राइम, अपराध अनुसंधान विभाग, आर्थिक अपराध इकाई और मद्य निषेध जैसे महत्वपूर्ण विभागों में अनुभवी अधिकारियों की नई तैनाती की गई है।

यातायात और निषेध विभाग को मिला नया नेतृत्वः जारी आदेश के मुताबिक, मोहम्मद अली अंसारी को सहायक पुलिस महानिरीक्षक यातायात के पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं अशफाक अंसारी को पुलिस उपाधीक्षक मध्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मनोज राम को अपर पुलिस अधीक्षक अपराध अनुसंधान विभाग, बिहार पटना में पदस्थापित किया गया है।

महिलाओं को सौंपी गई अहम जिम्मेदारियांः इसके अलावा वंदना को अपर पुलिस अधीक्षक मध्य निषेध बनाया गया है। अजय प्रसाद को वर्दी पुलिस उपाधीक्षक के रूप में बिहार पुलिस अकादमी राजगीर भेजा गया है। वहीं रिशु कृष्ण को पुलिस उपाधीक्षक अपराध अनुसंधान विभाग में नई जिम्मेदारी दी गई है।

साइबर अपराध पर सख्ती, नए अधिकारियों की तैनातीः साइबर अपराध पर नियंत्रण को लेकर भी सरकार ने कई अहम पदस्थापन किए हैं। मंगलेश कुमार सिंह को पुलिस उपाधीक्षक साइबर क्राइम, औरंगाबाद बनाया गया है, जबकि पूनम कुमारी को पुलिस उपाधीक्षक साइबर क्राइम, सीतामढ़ी की जिम्मेदारी दी गई है। महेश चौधरी को पुलिस उपाधीक्षक आर्थिक अपराध इकाई, पटना में पदस्थापित किया गया है।

रोहतास जिले में भी हुआ बड़ा बदलावः रोहतास जिले में भी प्रशासनिक बदलाव किए गए हैं। विप्लव कुमार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सासाराम बनाया गया है, जबकि राजू रंजन कुमार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डेहरी, रोहतास की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आगामी चुनौतियों के लिए तैयारियांः पुलिस मुख्यालय के स्तर पर लगातार हो रहे इन तबादलों को आगामी चुनौतियों और कानून-व्यवस्था की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए देखा जा रहा है। राज्य सरकार अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध की रोकथाम तथा विशेष इकाइयों को मजबूत करने पर विशेष फोकस कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक के घर में घुसे छह हथियारबंद बदमाश, हमले में दो गंभीर घायल, ग्रामीणों ने दो को दबोचा

कानपुर, एजेंसी। फर्रुखाबाद जिले में राजेपुर थाना क्षेत्र के गांव कुइयां निवासी शिक्षक भानु पाठक के घर रात करीब दो बजे में छह बदमाश घुस गए। खटपट की आवाज सुनकर इंजीनियर वैभव पाठक व शिक्षक भानु पाठक के जग गए और शोर मचा दिया। इस पर बदमाशों ने तमंचे से फायरिंग कर दी। गोली लगने से शिक्षक घायल हो गए। इसके बाद बदमाशों ने इंजीनियर को सरिया से हमला कर घायल कर दिया। अलमारी तोड़ कर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी लूट ले गए। इस बीच ग्रामीण शिक्षक के घर के बाहर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने घर से भाग कर दो बदमाशों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया है। घायलों को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी के विरोध में फूंका पुतला

अलीगढ़, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के कथित बयान पर बृहस्पतिवार को विवाद गहरा गया। सवर्ण महापंचायत (अराजनीतिक) के पदाधिकारियों और सदस्यों ने थाना सासनी गेट पहुंचकर पुलिस को शिकायती पत्र सौंपा और रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। इस दौरान उन्होंने सपा प्रवक्ता का पुतला दहन भी किया। वक्ताओं ने सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी की ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी को आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि इससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। इसे समाज का अपमान बताते हुए संगठन ने कड़ी नाराजगी जताई गई। शिकायती पत्र में कहा गया कि इस तरह की टिप्पणियां सामाजिक सौहर्द बिगाड़ने का प्रयास हैं, इसलिए सपा प्रवक्ता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। संगठन के सदस्यों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आगे आंदोलन किया जाएगा। मौके पर प्रशांत शर्मा, दीपांश शर्मा, आकाश शर्मा, हर्षित शर्मा, प्रवीण कुमार, शिव कुमार शर्मा, विनोद कुमार, संजीव कौशिक, हरिओम शर्मा आदि थे।

सपा सांसद के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा ने किया प्रदर्शन

वाराणसी, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के हमीरपुर (महोबा) संसदीय क्षेत्र के सांसद द्वारा प्रधानमंत्री के विरुद्ध की गई टिप्पणी के विरोध में बृहस्पतिवार को भाजपा महिला मोर्चा टीम ने कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। महानगर अध्यक्ष कुसुम पटेल और जिला अध्यक्ष विनीता सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। भाजपा नेता निर्मला सिंह पटेल ने कहा सपा सांसद ने अपनी सांविधानिक गरिमा और पद की मर्यादा को भूलकर जिस प्रकार की अमर्यादित शब्दावली का प्रयोग किया है, उससे देश की संपूर्ण नारी शक्ति में रोष है। इस दौरान गीता शास्त्री, साधना पांडेय, सबा परवीन, सुरेखा सिंह, नरगिस, मुमताज बानो, रेखा सोनी, सारिका सेठ आदि शामिल रहीं।

हांगकांग के ट्रैक पर दौड़ेंगे दूधिया और ऑटो चालक के बेटे, अंशु-अभय भारतीय एथलेटिक्स टीम में चयनित

वाराणसी, एजेंसी। हांगकांग के ट्रैक पर काशीवासी ऑटो चालक और दूधिया के बेटे दौड़ेंगे। अंडर 20 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 28 से 31 मई तक खेली जाएगी। इसमें भारत की एथलेटिक्स टीम भी हिस्सा ले रही है। भारतीय टीम में वाराणसी के विकास इंटर कॉलेज के दो छात्र अंशु रजक और अभय कुमार दुबे का चयन हुआ है। अभय कुमार दुबे चार गुणा 400 मीटर रिले रेस और मिक्स्ड रिले रेस में और अंशु रजक 4 गुणा 100 मीटर रिले रेस में पदक के लिए दौड़ेंगे। प्रधानाचार्य डॉ. एके सिंह ने बताया कि यह पहला अवसर है कि एक कॉलेज के दो खिलाड़ियों का चयन भारतीय एथलेटिक्स टीम में हुआ है। इस समय दोनों खिलाड़ी बंगलूरू में भारतीय खेल प्राधिकरण के केंद्र में प्रशिक्षण शिविर में शामिल हैं। अंशु रजक के पिता घर-घर जाकर फुटकर में दूध बेचने का काम करते हैं। रोजाना 300-400 रुपये तक आय हो जाती है। इसी दूध से ही अंशु के खेल के शौक पूरे हो रहे हैं। दूसरी ओर अभय कुमार दुबे के पिता ऑटो चलाकर पूरा परिवार पाल रहे हैं। ये हर दिन 500-1000 रुपये बचा लेते हैं। दोनों खिलाड़ी चार साल से डॉ. भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा संकुल बड़ा लालपुर में उप क्रीड़ा अधिकारी डॉ मंजूर आलम अंसारी से प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी विमला सिंह दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

गंगा के 30 घाट ब्लैक स्पॉट, वॉच टॉवर से निगरानी

हो रही बैरिकेडिंग; जनवरी से अप्रैल तक हुईं 8 लोगों की मौतें

वाराणसी, एजेंसी। गंगा नदी में इन दिनों दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं। नाव और क्रूज पर चढ़कर लोग सेल्फी लेने के दौरान जान गंवा रहे हैं। ऐसे में लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए नगर निगम ने घाट किनारे के 30 स्थानों को ब्लैक स्पॉट घोषित किया है। इन घाटों पर नगर निगम और जल पुलिस की ओर से बैरिकेडिंग की जाएगी और वॉच टावर से निगरानी भी की जाएगी।

ये वे घाट हैं, जहां सबसे अधिक सेल्फी लेने या लापरवाही के कारण हादसे का शिकार होते हैं। दिन में जल पुलिस के जवान लोगों को सेल्फी लेने से मना करते हैं, लेकिन कई लोग रात में भी जोखिम उठाने से नहीं चूकते। पर्यटकों की संख्या बढ़ने के बाद घाटों का किनारा पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा स्थान बन गया है। दिन हो या रात, प्रमुख घाटों पर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है।

लोग कभी स्नान करते हैं तो कभी नाव और क्रूज पर चढ़कर सेल्फी लेने लगते हैं। इस दौरान लोग लाइफ जैकेट पहनने से भी बचते हैं। जरा सी चूक जानलेवा साबित हो रही है। जनवरी से अप्रैल तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद भी लोग सतर्क नहीं हो रहे हैं और सेल्फी लेने में मशगूल रहते हैं।

चल रही खास तैयारी

कुछ दिनों पहले नाव पर सेल्फी लेते समय डूबा था युवक : मान घाट पर कुछ दिन पहले एक युवक की डूबने से मौत हो गई थी। वह क्रूज पर चढ़कर सेल्फी लेने और वीडियो बनाने में व्यस्त था। उसके दोनों हाथों में मोबाइल था। एक नाव से दूसरी नाव पर जाने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गंगा में गिर गया। युवक नोएडा का रहने वाला था।

सबसे अधिक हादसे तुलसी और ललिता घाट पर : बीते चार वर्षों के आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक हादसे तुलसी घाट और ललिता घाट पर हुए हैं। इन वर्षों में वर्ष 2023 में सबसे अधिक 46 हादसे हुए, जबकि 2022 में 37, वर्ष 2024 में 37, वर्ष 2025 में 32 और वर्ष 2026 में अब तक दो बड़े हादसे हो चुके हैं। इसे देखते हुए सुरक्षा के ये कदम उठाए जा रहे हैं।

ब्लैक स्पॉट घोषित घाट : सामने घाट, तुलसी घाट, पंचगंगा घाट, मान घाट, अस्सी घाट, रीवा घाट, आदि केशव घाट, हरिश्चंद्र घाट, चेतसिंह घाट, मुंशी घाट, बूंदी परकोटा घाट, प्रभु घाट, प्रह्लाद घाट, नमो घाट, गायघाट, रानी घाट, शक्का घाट, ललिता घाट, अहिल्याबाई घाट, भोंसले घाट, केदार घाट, सिंधिया घाट, भदैनी घाट, जानकी घाट, जैन घाट, निरंजनी घाट, महानिर्वाणी घाट, शिवाला घाट, गुलरिया घाट और मानसरोवर घाट।

मार्च में तुलसी घाट पर डूबे थे दो युवक : मार्च 2026 में तुलसी घाट पर नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से 18 वर्षीय निखिल और 12 वर्षीय आयुष की मौत हो गई थी। दोनों गोरखपुर के रहने वाले थे और वाराणसी घूमने आए थे। एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर सर्च ऑपरेशन चलाया और काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया था।

रोज आते हैं एक लाख से ज्यादा लोग : अस्सी से लेकर नमो घाट तक रोजाना एक लाख से अधिक पर्यटकों का आना-जाना होता है। इनमें से कुछ नौकायन भी करते हैं, जबकि कुछ श्रद्धालु गंगा में स्नान और आचमन करने आते हैं। गंगा किनारे कुछ घाटों पर पानी काफी गहरा है और फिसलन भी अधिक होती है। इसी को देखते हुए नगर निगम ने यह कदम उठाया है।

एक्सप्रेसवे पर ट्रेलर में घुसी स्लीपर बस, ओवरटेक करने में हुआ हादसा, 23 यात्री घायल

कानपुर, एजेंसी। उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह छह बजे बांगरमऊ क्षेत्र के रघुरामपुर गांव के पास एक स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में बस में सवार 23 यात्री घायल हो गए। यूपीडा टीम और पुलिस ने सभी को सीएचसी पहुंचाया। इनमें 13 को अधिक चोट होने से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

हादसे के वक्त बस में 40 यात्री थे। बस चालक मंजीत कुमार दिल्ली से करीब 40 यात्रियों को लेकर आजमगढ़ जा रहा था। सुबह करीब छह बजे भारी वाहन लेन में चल रहे ट्रेलर को ओवरटेक करने के दौरान बस अनियंत्रित होकर ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया : घायलों को एंबुलेंस की मदद से बांगरमऊ सीएचसी पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद 10 घायलों को घर भेज दिया गया, जबकि छह गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। कोतवाल अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस को हटवाकर बांगरमऊ टोल प्लाजा पर खड़ा कराया गया है।

धार की भोजशाला फैसले की खुशी में ताजमहल के गेट पर बांटी मिठाई, हिंदू महासभा कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प

आगरा। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के धार की भोजशाला फैसले की खुशी में शनिवार को ताजमहल के पश्चिमी गेट पर हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी। ताजमहल परिसर के अंदर मिठाई ले जाने की कोशिश पर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक और हंगामा हुआ। पुलिस ने जिलाध्यक्ष सहित कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया, जिन्हें बाद में हिदायत देकर छोड़ दिया गया।

हिंदू महासभा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर के नेतृत्व में कार्यकर्ता पश्चिमी गेट स्थित आरके स्टूडियो पर एकत्र हुए थे। वह लड्डू बांट रहे थे। सुरक्षा नियमों का हवाला देकर जब पुलिसकर्मियों ने रोका, तो कार्यकर्ताओं की उनसे बहस हो गई। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने जबरन रोका है।

थाना ताजगंज पुलिस ने जिलाध्यक्ष मीरा राठौर, निशा ठाकुर, नीतू ठाकुर और नितेश भारद्वाज को हिरासत में ले लिया। एसीपी ताज सुरक्षा मयंक तिवारी ने बताया कि हिंदू महासभा के कार्यकर्ता मिठाई लेकर ताजमहल परिसर के अंदर जाने का प्रयास कर रहे थे। कार्यकर्ताओं के लिखित में माफी मांगने पर छोड़ा गया है।

सफाईकर्मी दो धड़ों में बंटे, एक ने कूड़ा फैलाया तो दूसरे ने समेटा

ऑफिस घेरने पर पुलिस ने भगाया

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में नगर निगम सफाई कर्मियों की हड़ताल दूसरे दिन शनिवार दोपहर खत्म हो गई। मुख्यालय में हुई सभा में नगर निगम प्रशासन की तरफ से मांगें माने जाने के साथ ही कर्मियों ने हड़ताल खत्म करने के एलान कर दिया। उधर, आउटसोर्सिंग सफाई कर्मियों के ही एक गुट ने समझौते को नकारते हुए नारेबाजी करते हुए परिसर में रखे डस्टबिन पलटकर कूड़ा फैलाया। कर्मचारी यूनियन के कार्यालय का भी घेराव कर घंटों बवाल किया।

शाम को पुलिस ने उन्हें चेतावनी देकर भगाया। दूसरी तरफ नगर निगम ने गाड़ियों से कूड़ा उठान शुरू कराया। सफाई व्यवस्था के निजीकरण के विरोध में नगर निगम कर्मियों ने 15 मई से सड़कों की सफाई से लेकर कूड़ा उठान बंद कर दिया था। बवाल बढ़ता देख नगर निगम प्रशासन ने समिति के सदस्यों से वार्ता की। तीन चरणों में हुई वार्ता के बाद 15 को ही शाम को पांच सूत्री मांगों पर लिखित सहमति दी।

समिति ने हड़ताल समाप्ति की घोषणा की

शनिवार को भी नगर निगम मुख्यालय में हुई आमसभा में दोपहर में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित सिंह ने सहमति पत्र पढ़कर सुनाया। बताया कि जो कर्मचारी आउटसोर्स के माध्यम से रखे गए हैं। उनमें नियमों के अंतर्गत यथा स्थिति रखी जाएगी। 6000 आउटसोर्स कर्मचारियों एवं अन्य संवर्ग के सभी कर्मचारियों को सर्विस प्रोवाइडर को स्थानांतरित न करने के संबंध में नगर आयुक्त ने कमेटी बनाई है। उसी के नियमानुसार प्रक्रिया की जाएगी। इसके बाद समिति ने हड़ताल समाप्ति की घोषणा कर दी।

कर्मचारियों को सेवा निगम बोर्ड का लाभ भी मिलता रहेगा

संघर्ष समिति के सदस्य रमाकांत मिश्रा, धीरज गुप्ता, हरिओम वाल्मीकि, मुन्ना हजारिया ने बताया कि सभी कर्मचारी पूर्व की तरह अपने पदों पर कार्यरत रहेंगे। कर्मचारियों को सेवा निगम बोर्ड का लाभ भी मिलता रहेगा। रविवार से युद्धस्तर पर सफाई व्यवस्था की जाएगी। सभा को जयपाल सिंह, विनोद रावत, अजीत बाघमार, उस्मान अली शाह, मुकेश वाल्मीकि, पिंटू चौधरी, कमरुद्दीन, अखिलेश सिंह, रामगोपाल चौधरी, बृजलाल भारती, प्रदीप वाल्मीकि, चमन खन्ना, देवीदीन भाऊ, मुन्ना गंगोत्री, रमेश शर्मा, संजय हजारिया आदि ने संबोधित किया।

ई-रिक्शा वाले ने कोठे पर उतारा, किशोरी को देह व्यापार के अड्डे पर बनाया बंधक, सात दिन बाद पुलिस ने बचाया

कानपुर, एजेंसी। फर्रुखाबाद में प्रेमी से मिलने जा रही किशोरी को ई-रिक्शा चालक ने कुटरा के एक मकान में देह व्यापार के लिए बंधक बना दिया था। उसे पुलिस ने मुक्त कराकर तीन आरोपियों को जेल भेजा है।

फर्रुखाबाद जिले में प्रेमी से मिलने के लिए घर से निकली किशोरी को देह व्यापार के लिए अपहरण कर घर में बंधक बना लिया गया। सात दिन बाद पुलिस ने किशोरी को तलाश कर बंधनमुक्त कराया। इसके साथ ही शनिवार को फतेहगढ़ के कुटरा से दंपती व एक महिला को गिरफ्तार जेल भेज दिया। पुलिस को उस ई-रिक्शा चालक की तलाश है, जो किशोरी को कुटरा लेकर गया था। क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 वर्षीय किशोरी आठ मई को दोपहर करीब तीन बजे घर से बिना बताए निकल गई थी। परिजन ने खोजबीन की तो पता नहीं चला। इसके बाद सोमवार को मां ने किशोरी को ले जाने के आरोप में फतेहउल्लापुर निवासी गौरव व कादरीगेट के खानपुर के अभिषेक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

पुलिस ने किशोरी की तलाश में दबिश दी

छानबीन के बाद मामले की विवेचना कर रहे दरोगा कमलेश कुमार ने पुलिस बल के साथ शुक्रवार रात फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के कुटरा गांव निवासी खुशबू के घर में किशोरी की तलाश में दबिश दी। वहां पुलिस को किशोरी मिल गई। पुलिस ने खुशबू, बरेली के थाना सुभाष नगर के करगैना निवासी अनिल यादव व उसकी पत्नी हेमा को गिरफ्तार कर लिया।

किशोरी से घरेलू व गलत काम कराना चाहते थे : देर रात अपर पुलिस अधीक्षक सीओ ऐश्वर्या उपाध्याय व फतेहगढ़ कोतवाल रणविजय ने थाने पहुंच मामले की जानकारी ली। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने किशोरी को डरा धमकाकर घर में बंद कर लिया था। वह किशोरी से घरेलू व गलत काम कराना चाहते थे।

ट्रेन से फर्रुखाबाद स्टेशन पर उतरी थी किशोरी : इसके बाद पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज किए। विवेचक के मुताबिक किशोरी ने पूछताछ में बताया कि वह ट्रेन से फर्रुखाबाद स्टेशन पर उतरी थी। बाहर निकलने के बाद वह प्रेमी से मिलने खानपुर जाने के लिए रिक्शा में बैठ गई। इसके बाद रिक्शा चालक उसे कुटरा ले गया और घर में बंद कर दिया।

दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों को भेजा जेल : शनिवार को पुलिस ने पहले से दर्ज प्राथमिकी में बंधक बनाने, धमकी देने, अपहरण आदि की धाराओं की बढ़ोतरी की है। दोपहर को तीनों आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। प्रभारी निरीक्षक ललित कुमार ने बताया कि किशोरी को सकुशल तलाश कर लिया गया है। दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों का चालान कर दिया गया।

देह व्यापार का होता है धंधा, दिन भर आते थे लोग : फतेहगढ़ कोतवाली के कुटरा गांव में आरोपी देह व्यापार का धंधा काफी लंबे समय से चला रहे हैं। इसके अलावा शहर के कुछ स्थानों पर भी घरों में यह काम होते हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके साथ किसी ने गलत काम नहीं किया लेकिन वहां कई महिलाएं थीं। दिनभर लोग आते-जाते थे। वह डरी सहमी थी कि उसके साथ भी कुछ न हो जाए। फिलहाल पुलिस रिक्शे वाले की तलाश में जुटी है।

सेव पेट्रोल की मुहिम का असर, बस से समाधान दिवस में पहुंचे अफसर

पीलीभीत। प्रधानमंत्री की डीजल-पेट्रोल की खपत कम करने की मुहिम का असर जिले में दिखाई दे रहा है। शनिवार को अमरिया में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिला स्तरीय अधिकारी एक साथ बस में सवार होकर गए। बस की रवानगी ऑफिसर्स कॉलोनी से की गई, जहां आवास से निकलकर अधिकारी बसों में सवार होते देखे गए। प्रधानमंत्री की ईंधन बचाने की मुहिम के बाद डीएम-एसपी ने अपने वाहन से पुलिस एस्कोर्ट कम कर दी। शनिवार को अमरिया तहसील में लगे समाधान दिवस में जिलेभर के अफसर बस से पहुंचे। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के आदेश पर एआरटीओ वीरेंद्र सिंह द्वारा बस को ऑफिसर्स कॉलोनी में सुबह नौ बजे लगवा दिया, जहां से अपने सरकारी आवास से अधिकारी अपनी निजी गाड़ियां छोड़कर पैदल बस में सवार होते देखे गए। बस में सीएमओ डॉ. आलोक कुमार, बीएसए रोशनी सिंह, एआर को-ऑपरेटिव डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, डीआईओएस राजीव सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार, सेवायोजन अधिकारी विवेक शुक्ला आदि दिखाई दिए।

किसी ने न्याय तो किसी ने मांगा आवास

बहराइच, एजेंसी। तहसील कैसरगंज में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में सुबह से ही फरियादियों की भीड़ उमड़ पड़ी। कोई जमीन पर कब्जे की शिकायत लेकर पहुंचा तो किसी ने आवास, पेंशन और दबंगों के उत्पीड़न का मामला अधिकारियों के सामने रखा। सीडीओ सुनील कुमार धनवंता की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में अधिकारियों ने एक-एक फरियादी की समस्या सुनी।

सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गरीब, पीड़ित और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाए। सभी अधिकारी प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक कार्यालय में बैठकर फरियादियों की शिकायतें सुनना सुनिश्चित करें। समाधान दिवस में कुल 85 प्रार्थनापत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 12 मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया।

उधर तहसील नानपारा में आयोजित समाधान दिवस में प्राप्त 57 में आठ, मिहींपुरवा में 28 में दो, पयागपुर में 48 में पांच, महसी में 40 में दो तथा तहसील सदर में प्राप्त 44 प्रार्थनापत्रों में से पांच का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया।

दबंगों ने बंद कर दिया खेत का रास्ता- कैसरगंज के गोड़हिया गांव निवासी रामनरेश समाधान दिवस में खेत तक जाने का रास्ता खुलवाने की मांग लेकर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि गांव के कुछ दबंगों ने रास्ते पर कब्जा कर लिया है, जिससे खेती-बाड़ी प्रभावित हो रही है। इस पर अधिकारियों ने राजस्व टीम को जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। फखरपुर निवासी शंकर ने अधिकारियों को बताया कि वह कच्चे मकान में परिवार के साथ रहने के लिए मजबूर हैं। पात्र होने के बावजूद उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला। मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जमीन कब्जाने का आरोप- वजीरगंज निवासी फहीम ने गांव के कुछ लोगों पर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विवादित भूमि पर दबंग जबरन निर्माण कराने का प्रयास कर रहे हैं। शिकायत के बावजूद स्थानीय स्तर पर सुनवाई नहीं हो रही है। अधिकारियों ने संबंधित थाना और राजस्व विभाग को संयुक्त जांच करने के निर्देश दिए।

सेक्सवर्धक दवाओं के नाम पर 10 राज्यों के लोगों से 50 लाख की ठगी

मेरठ, एजेंसी। नोएडा की एक दवा कंपनी का डाटा चोरी कर पूर्व कर्मचारी संजय सरकार ने ऑनलाइन सेक्सवर्धक दवा भेजने के नाम पर एक साल में 50 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपी ने अपने सहकर्मी मुन्ना कुमार शाह से दवा मंगाने वाले चार हजार लोगों का डाटा मंगा लिया। इसके बाद दस राज्यों के कई लोगों को दवा भेजने के नाम पर ठगी का शिकार बना दिया। साइबर सेल और हस्तिनापुर पुलिस ने मामले में संजय सरकार समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी देहात अभिजीत कुमार और सीओ पंकज लवानिया ने बताया कि इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के प्रतिबिंब पोर्टल पर मिली शिकायतों की जांच के दौरान आरोपियों के मोबाइल नंबर और आईएमईआई नंबर ट्रेस किए गए। इसके बाद हस्तिनापुर थाना क्षेत्र की न्यू ब्लॉक कॉलोनी निवासी संजय सरकार, मोहित सरकार, सुब्रमण्यम यामलवलसा और हर्ष सरकार को गिरफ्तार किए गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि संजय सरकार पहले नोएडा सेक्टर-62 स्थित एक ऑनलाइन दवा सप्लाई कंपनी में काम करता था। नौकरी छोड़ने के बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर साइबर ठगी का नेटवर्क खड़ा कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने हरियाणा, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के लोगों को ठगी का शिकार बनाया। पुलिस ने आरोपियों के घर से 08 मोबाइल फोन, 10 सिम कार्ड, 04 एटीएम कार्ड, 20,210 रुपये नकद, एक बाइक, एक एयरटेल वाई-फाई डिवाइस बरामद की। पुलिस टीम अन्य सामान के साथ एक इलेक्ट्रिक इंडक्शन भी मौके से लेकर आ गई। हालांकि इसका ठगी में कोई प्रयोग नहीं किया गया लेकिन इसे भी बरामदगी में शामिल किया गया है।

हर रोज देता था डाटा, लेता था 2500 रुपये : संजय सरकार को कंपनी से सेक्सवर्धक दवा खरीदने वालों का मुन्ना कुमार शाह हर रोज डाटा देता था। मुन्ना कंपनी से ऑनलाइन व्हाट्सएप आदि के जरिये सेक्सवर्धक दवा मंगाने वालों की जानकारी संजय सरकार को देकर 2500 रुपये प्रतिदिन लेता था। इसके बाद संजय सरकार और उनके साथी उन लोगों से संपर्क कर उन्हें क्यूआर कोड भेजकर अपने बैंक खातों में पैसा मंगा लेते थे। इसके बाद संबंधित ग्राहक के मोबाइल नंबर ब्लॉक कर देते थे।

दस राज्यों के 37 लोगों ने दर्ज कराई शिकायत : आरोपियों के खिलाफ प्रतिबिंब पोर्टल पर दस राज्यों के 37 लोगों ने शिकायत दर्ज कराई। इन शिकायतों के आधार पर ही पुलिस टीम ने ठगी का खुलासा किया।

नीट पेपर लीक के आरोपी दिनेश बिवाल के निकले राजनीतिक संबंध, अब बीजेपी-कांग्रेस आमने सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। 3 मई को हुई नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर बवाल मचा हुआ है। जैसे-जैसे सीबीआई पेपर लीक मामले में अपनी जांच आग बढ़ा रही है वैसे-वैसे लीक से जुड़े कई खुलासे हो रहे हैं। जांच में सामने आए अहम नामों में से एक नाम जयपुर के जमवा रामगढ़ के दिनेश बिवाल का है। लेकिन पेपर लीक से जुड़े आरोपों के अलावा बिवाल का राजनीतिक सफर और नेताओं द्वारा अचानक उनसे दूरी बनाने की कोशिश अपने आप में एक अलग कहानी बन गई है। कई पोस्टरों, होर्डिंग्स और सोशल मीडिया पोस्ट में बिवाल को बीजेपी पदाधिकारी बताया गया है। अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर उन्होंने खुद को 'बीजेपी जयपुर ग्रामीण का पूर्व जिला मंत्री' बताया है। अब बीजेपी के साथ उनके कथित संबंधों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी नेताओं ने उन्हें कोई भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने से इनकार कर दिया। बीजेवाईएम के प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा ने कहा कि उनके नेतृत्व में जयपुर

ग्रामीण जिले में अभी तक कोई नियुक्ति नहीं की गई है। उनसे पहले जब अंकित चेची प्रदेश अध्यक्ष थे तब भी संगठनात्मक नियुक्तियां कथित तौर पर बहुत कम हुई थीं। हाल के दिनों में अमित शर्मा और बलराम दून जयपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष थे। दोनों नेताओं ने यह भी दावा किया कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने न तो बिवाल को कोई आधिकारिक जिम्मेदारी दी और न ही उन्हें संगठनात्मक बैठकों में आमंत्रित किया। हालांकि, दून ने यह स्वीकार किया कि जब 2011 में वे बीजेवाईएम जयपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष बने थे तब बिवाल पहले से ही पिछली टीम का हिस्सा थे और राज्य मंत्री के पद पर थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने महेंद्र पाल मीणा, जो अब विधायक हैं और जिनकी तस्वीरें बिवाल के साथ सोशल मीडिया पर सामने आई थीं को अपनी टीम में शामिल किया था। वहीं, दीन से पहले जिला अध्यक्ष रहे रघुवीर चौधरी ने इस बात से इनकार किया कि बिवाल उनकी टीम का हिस्सा थे। महेंद्र पाल मीणा ने कहा कि वह नियमित रूप से अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से मिलते हैं। बिवाल के साथ अपनी तस्वीरों के बारे में पूछे जाने पर मीणा ने जवाब दिया कि एक जन प्रतिनिधि होने के नाते कई लोग उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं। बीजेपी के मुख्य संगठन के भीतर यह दावा किया जा रहा है कि बिवाल को जो भी जिम्मेदारियां मिलीं, वे समय-समय पर पार्टी के अलग-अलग नेताओं की सिफारिशों के जरिए मिलीं। लेकिन जब उनसे पूछा गया कि उनकी सिफारिश असल में किसने की थी तो ज्यादातर नेता चुप रहे।

केंद्र सरकार का मेगा प्लान: भाखड़ा और रंजीत सागर सहित 736 बांधों के आधुनिकीकरण की तैयारी तेज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (डीआरआईपी) के तहत 10,211 करोड़ रुपये की लागत से 736 बांधों का आधुनिकीकरण कर रही है। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार इसके तहत 191 बांधों के लिए 5,053 करोड़ रुपये के पुनर्वास प्रस्तावों को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और 31 मार्च, 2025 तक 43 बांधों पर पुनर्वास कार्य पूरा हो चुका है। मंत्रालय ने कहा कि अक्टूबर 2021 में शुरू किए गए डीआरआइपी के दूसरे और तीसरे चरण में 19 राज्यों और तीन केंद्रीय एजेंसियों - केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), भाखरा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) और दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के 736 बांध शामिल हैं।

परियोजना के दूसरे और तीसरे चरण के तहत जिन प्रमुख बांधों की सुरक्षा में सुधार किया जाएगा उनमें भाखरा बांध (हिमाचल प्रदेश), रंजीत सागर बांध (पंजाब), गांधी सागर बांध (मध्य प्रदेश), जिरगो बांध (उत्तर प्रदेश) और सिलाबती बैराज (बंगाल) शामिल हैं। डीआरआइपी के दूसरे और तीसरे चरण के लिए कुल परियोजना लागत 10,211 करोड़ रुपये है - जिसमें से 5,107 करोड़ रुपये दूसरे चरण के लिए और 5,104 करोड़ रुपये तीसरे चरण के लिए हैं। इसमें से सात हजार करोड़ रुपये बाहरी ऋण सहायता के रूप में दिए जा रहे हैं, जबकि 3,211 करोड़ रुपये सहभागी राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा वहन किए जा रहे हैं। दूसरे चरण में विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआइआइबी) में भी फंडिंग मिल रही है। दूसरे और तीसरे चरण को मिलाकर योजना की अवधि 10 साल है। परियोजना का उद्देश्य पुराने होते बांधों की संरचनात्मक मजबूती, जल संग्रहण क्षमता और परिचालन दक्षता को बढ़ाना, रखरखाव के लिए राजस्व जुटाने के उपाय करना शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि डीआरआइपी दुनिया के सबसे बड़े बांध पुनर्वास कार्यक्रमों में से एक है। भारत 6,628 बांधों के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है, जिनमें से 6,545 चालू हैं और 83 निर्माणाधीन हैं। इन बांधों की कुल जल भंडारण क्षमता लगभग 330 अरब घन मीटर है और ये राष्ट्रीय खाद्य, ऊर्जा और जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन बांधों में से 26 प्रतिशत से अधिक, यानी 1,681 तो 50 वर्ष से भी अधिक पुराने हैं। 291 बांध 100 वर्ष से अधिक पुराने हैं। डीआरआईपी को तीन चरणों में लागू किया जा रहा है। विश्व बैंक के सहयोग से डीआरआइपी का पहला चरण अप्रैल 2012 में शुरू किया गया था और यह 2021 तक चला। इसमें झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तराखंड सहित सात राज्यों के 223 बांध शामिल थे। डीआरआइपी के प्रथम चरण की प्रमुख उपलब्धियों में एक डैम हेल्थ एंड रिहैबिलिटेशन मॉनिटरिंग एप्लीकेशन (धर्म) की शुरुआत थी।

दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाली 6 अवैध फैक्ट्रियां सील, नियमों की उड़ाई जा रही थी धज्जियां

नईदिल्ली, एजेंसी। सबोली इलाके में प्रदूषण फैलाने वाली अवैध फैक्ट्रियों के खिलाफ प्रशासन ने बड़ा अभियान चलाते हुए छह फैक्ट्रियों को सील कर दिया। यह कार्रवाई दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), नगर निगम और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। निगम आयुक्त ममता यादव ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से फैक्ट्रियों से निकलने वाले धुएं, रासायनिक गंध और अपशिष्ट पदार्थों को लेकर शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद निरीक्षण अभियान चलाया गया। जांच के दौरान कई फैक्ट्रियों में प्रदूषण नियंत्रण संबंधी मानकों का उल्लंघन पाया गया। कुछ फैक्ट्रियों में बिना अनुमति औद्योगिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं, जबकि कई स्थानों पर सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। टीम ने मौके पर आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की और अनियमितताएं पाए जाने पर फैक्ट्रियों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। निगम अधिकारियों ने बताया कि अवैध रूप से संचालित और प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा। साथ ही लोगों से भी अपील की गई है कि वे अपने आसपास संचालित ऐसी फैक्ट्रियों की जानकारी प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का हलफनामा, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में सीजेआई की मौजूदगी जरूरी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि संविधान के तहत चुनाव आयोग की नियुक्ति समिति में न्यायिक प्रतिनिधित्व अनिवार्य नहीं है। सरकार ने स्पष्ट किया कि चयन समिति में न्यायपालिका के सदस्य को शामिल करना 'विधायी निर्णय'' हो सकता है, लेकिन यह कोई 'संवैधानिक बाध्यता'' नहीं है। केंद्र ने यह दलील मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दाखिल प्रति-हलफनामे में दी है। 2 जनवरी 2024 से लागू इस कानून के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश पर की जाती है। समिति में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। नए कानून में भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) की जगह केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया है। केंद्र ने हलफनामे में कहा कि संविधान में कहीं भी चुनाव आयोग की नियुक्ति समिति में न्यायिक प्रतिनिधित्व का प्रविधान अनिवार्य नहीं किया गया है। सरकार के अनुसार, यह कहना कि नियुक्तियों की वैधता के लिए न्यायपालिका की भागीदारी जरूरी है, शक्तियों के पृथक्करण और संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत संसद की भूमिका की गलत व्याख्या है। कहा कि चुनाव आयोग की वास्तविक स्वतंत्रता उसके संवैधानिक दर्जे, सुरक्षित कार्यकाल, हटाने संबंधी सुरक्षा उपायों तथा वेतन और कार्यों के वैधानिक संरक्षण से सुनिश्चित होती है। 2023 का कानून इन सभी प्रावधानों को बरकरार रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता जोड़ता है। अंतरिम व्यवस्था के तौर पर सीजेआइ को चयन समिति में शामिल करने की बात कही थी।

सिग्नेचर ब्रिज लूटकांड: दिल्ली पुलिस ने दबोचे 'सलवार सूट गिरोह' के 3 बदमाश

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली में सिग्नेचर ब्रिज के पास स्कूटी सवार से लूट करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान भजनपुरा निवासी निखिल, सोनू व गाजियाबाद निवासी अमर के रूप में हुई है। पकड़ा गया निखिल सलवार सूट गिरोह का बदमाश है, महिलाओं के भेष में वह युवाओं को जाल में फंसाकर यमुना खादर में ले जाकर लूट करता था। पकड़े गए बदमाशो के पास से पीड़ित का बैग, मोबाइल समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि 13 मई की रात सिग्नेचर ब्रिज के पास स्कूटी सवार से लूट हुई थी। पीड़ित व बुराड़ी निवासी मनीष कुमार मिश्रा वजीराबाद रोड से स्कूटी से घर जा रहे थे। सिग्नेचर ब्रिज के पास एक व्यक्ति ने उन्हें रुकने का इशारा किया। जब उन्होंने अपनी स्कूटी रोकी, तो उस व्यक्ति ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनसे उनका मोबाइल फोन, नकदी और एक बैग लूट लिया, जिसमें एक लैपटॉप और अन्य दस्तावेज थे।
पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज किया गया। सीसीटीवी कैमरों से बदमाशो की पहचान की गई। टेक्निकल सर्विलांस के जरिये बदमाशों को भजनपुरा से गिरफ्तार कर लिया।

भ्रष्टाचार के पुराने मामले में आईएएस अधिकारी बर्खास्त, कुछ माह पहले ही दिल्ली में हुई थी तैनाती

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार में तैनात आईएएस पर एक पुराने मामले में गाज गिरी है। 2003 बैच की आईएएस पद्मा जायसवाल पर अरुणाचल प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले में केंद्र सरकार ने कार्रवाई की है, उन्हें नौकरी से बर्खास्त किया गया है। वह कुछ माह पहले ही दिल्ली सरकार में आई थीं। सरकार के दिल्ली सचिवालय स्थित प्रशासनिक सुधार विभाग में सचिव थीं। करीब एक माह से अवकाश पर थीं। उनसे पक्ष लेने के लिए काल की गई, मगर उन्होंने फोन नहीं उठाया।

कस्टम ड्यूटी बढ़ने से दिल्ली एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी में बढ़ोतरी, अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट सक्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, विशेषकर इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पिछले कुछ दिनों में सोने की तस्करी के मामलों में अचानक आई तेजी ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है। वरिष्ठ सीमा शुल्क (कस्टम) अधिकारियों ने हाल ही में पकड़े गए अंतरराष्ट्रीय तस्करों से पूछताछ और डेटा के विश्लेषण के बाद एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। अधिकारियों के मुताबिक, तस्करी में आई इस अचानक तेजी का सीधा संबंध सरकार द्वारा सोने पर आयात शुल्क (कस्टम ड्यूटी) में की गई भारी बढ़ोतरी से है। कस्टम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, हाल ही में सरकार ने सोने पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर सीधे 15 प्रतिशत कर दिया है। टैक्स में हुई इस अप्रत्याशित बढ़ोतरी ने वैध रूप से सोना आयात करने वालों के लिए लागत बढ़ा दी है, लेकिन दूसरी ओर इसने अवैध रूप से सोना देश में लाने वाले अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट के हौसले बुलंद कर दिए हैं। ड्यूटी बढ़ते ही भारत के घरेलू बाजार और विदेशी बाजार में सोने की कीमतों का अंतर बहुत ज्यादा बढ़ गया है, जिससे अवैध सोने की मांग और उसकी कीमत आसमान छूने लगी है। इस नीतिगत बदलाव ने अवैध बाजार के समीकरणों को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। अब ब्लैक मार्केट में प्रति किलो सोने पर मिलने वाला प्राफिट मार्जिन रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। कस्टम अधिकारियों का कहना है कि जब प्रति किलो मुनाफा लाखों रुपये में बढ़ जाता है, तो अंतरराष्ट्रीय गिरोहों की बेचैनी और जोखिम लेने की क्षमता भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि अब तस्कर पकड़े जाने के डर से पीछे नहीं हट रहे हैं, बल्कि भारी मुनाफे के लालच में पहले से कहीं ज्यादा बड़ा रिस्क उठा रहे हैं। शातिर तरीके अपना रहे हैं। सोने को भारत की सीमा के भीतर घुसाने के लिए अब कई तरह हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। तस्करों के इस बदलते और खतरनाक पैटर्न को देखते हुए कस्टम विभाग ने भी एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था को ''हाई-अलर्ट'' पर डाल दिया है। अब केवल सामान्य चेकिंग के भरोसे न रहकर, संदिग्ध रूटों से आने वाले यात्रियों का ''डेटा विश्लेषण'' और ''एडवांस रिस्क-प्रोफाइलिंग'' की जा रही है। ताकि इन अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अपराधियों को एयरपोर्ट पर कदम रखते ही दबोचा जा सके।

इराक में अली अल-जैदी सरकार: यूएस-ईयू से लेकर ईरान-तुर्किये में कैसा माहौल

तेहरान, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इराक के नए प्रधानमंत्री अली फलिह काजिम अल-जैदी को पद संभालने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इराक के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं और भारत इन रिश्तों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों की साझा तरक्की और समृद्धि के लिए नए इराकी प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारत इराक के साथ अपने पुराने और मजबूत संबंधों को बहुत महत्व देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, निवेश और कूटनीतिक सहयोग आने वाले समय में और मजबूत होगा। सीरिया के लिए विशेष दूत टॉम बैरक ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका इराक में नए नेतृत्व का स्वागत करता है और दोनों देशों के साझा हितों पर मिलकर काम करना चाहता है। अमेरिका चाहता है कि इराक एक मजबूत, स्थिर और समृद्ध देश बने, जो अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति बनाए रखे और अपने नागरिकों को बेहतर अवसर दे। टॉम बैरक ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अमेरिका की सरकार इराक के साथ आतंकवाद खत्म करने और आर्थिक विकास बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को तैयार हैं। इराकी संसद ने 14 मई को अली अल-जैदी की सरकार को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि देश में हथियारों पर सिर्फ सरकार का अधिकार होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका लगातार इराक पर दबाव बना रहा है कि वह ईरान समर्थित हथियारबंद गुटों को कमजोर करे और उन्हें निरस्त्र करे। संयुक्त राष्ट्र ने भी नई सरकार के गठन का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि यूएन इराक के लोगों के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहयोग जारी रखेगा।

ईरान पर फिर हमले की तैयारी कर रहा अमेरिका? ट्रंप के पोस्ट से पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में व्याप्त तनाव के बीच एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक एआई से बनाई गई तस्वीर साझा की, जिसमें वह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' कैप पहनकर अमेरिकी नौसेना के एक एडमिरल के साथ युद्धपोत पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में समुद्र में तूफानी मौसम और पीछे ईरानी जहाज भी नजर आ रहे हैं। इसके साथ ट्रंप ने लिखा, 'यह तूफान से पहले की शांति थी'। ट्रंप के इस संदेश को सीधे तौर पर ईरान के लिए चेतावनी माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ फिर से हवाई हमले शुरू करने के विकल्प पर चर्चा कर रहा है। बताया जा रहा है कि अगर कूटनीतिक बातचीत सफल नहीं होती, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई का रास्ता अपना सकता है। वहीं, एक अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप अपनी ईरान नीति को लेकर बड़ा फैसला लेने की तैयारी में हैं। व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संभावित सैन्य योजनाओं पर चर्चा चल रही है। इससे पहले भी ट्रंप ईरान को चेतावनी दे चुके हैं कि अगर जल्द कोई शांति समझौता नहीं हुआ, तो ईरान के लिए 'बहुत बुरा समय' आ सकता है। दूसरी तरफ ईरान भी अपने रुख पर कायम नजर आ रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका की ओर से बातचीत शुरू करने के संकेत मिले हैं, लेकिन तेहरान को अभी भी वॉशिंगटन की नीयत पर भरोसा नहीं है। वहीं ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान की 14

सूत्रीय शांति योजना के अलावा कोई भी प्रस्ताव बेनतीजा साबित होगा। पश्चिम एशिया में तनाव का सबसे बड़ा केंद्र फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य बना हुआ है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल सप्लाई गुजरती है। ईरान ने यहां शिपिंग कंट्रोल के लिए नया प्रस्ताव भी दिया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि कुछ समुद्री रास्तों को सीमित किया जा सकता है, जबकि ईरान के साथ सहयोग करने वाले व्यावसायिक जहाजों को नियंत्रित तरीके से गुजरने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि पिछले महीने युद्धविराम की घोषणा हुई थी, लेकिन हालात अभी भी बेहद नाजुक बने हुए हैं। अमेरिका ने खाड़ी क्षेत्र में अपनी नौसैनिक मौजूदगी मजबूत कर रखी है। ऐसे में ट्रंप के नए बयान और सैन्य कार्रवाई की अटकलों ने पश्चिम एशिया में एक बड़े टकराव की आशंका को फिर बढ़ा दिया है।

मालदीव में इटली के पांच गोताखोरों की मौत, दो दिन बाद भी एक ही शव हो सका बरामद

रोम, एजेंसी। मालदीव में एक गुफा के अंदर स्कूबा डाइविंग के दौरान इटली के पांच गोताखोरों की मौत के बाद शुक्रवार को भी खोज अभियान जारी रहा। इस अभियान में इटली के एक विशेषज्ञ भी पुलिस गोताखोरों और बचाव नौकाओं के समूह में शामिल हुआ।

इटली के पांच नागरिकों की मौत गुरुवार को हुई थी, इसके बाद से ही बचाव अभियान और जांच तेज हो गई है। इटली के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ये पांचों गोताखोर कथित तौर पर गुरुवार को 50 मीटर (164 फीट) की गहराई पर गुफाओं का पता लगाने की कोशिश कर रहे थे, जब यह दुर्घटना हुई। उनकी मौत के सटीक कारणों और परिस्थितियों की अभी जांच की जा रही है।

मालदीव के अधिकारियों ने गुरुवार को घटना के बाद एक बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया था। इसमें नावें, विमान और गोताखोर दल शामिल थे। मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के अनुसार, एक गोताखोर का शव एक गहरे पानी के नीचे की गुफा में मिला था, जिसे लगभग 60 मीटर (200 फीट) की गहराई से निकाला गया।

शेष चार गोताखोरों के उसी गुफा में फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने इसे एक खतरनाक और उच्च जोखिम वाला अभियान

बताते हुए अतिरिक्त टीमों और विशेष उपकरणों को भेजा है। हालांकि, खराब मौसम की स्थिति के कारण शवों को निकालने के प्रयासों में देरी हो सकती है।

इटली का विदेश मंत्रालय शवों की बरामदगी के बारे में अधिक जानकारी नहीं दे सका है। मंत्रालय ने बताया कि इटली के एक विशेषज्ञ शुक्रवार को तटरक्षक बल और मालदीव के जहाजों की सहायता कर रहे थे। अधिकारियों ने वावु एटोल में पानी के नीचे की गुफा तक पहुंचने के लिए गोता लगाने की योजना बनाई थी। इटली के कोलंबो में राजदूत, जो मालदीव के साथ संबंधों की देखरेख करते हैं, राजधानी माले में तटरक्षक अधिकारियों से मिलने के लिए पहुंचे हैं। इतालवी दूतावास पीड़ितों के परिवारों के संपर्क में है और उन्हें सहायता प्रदान कर रहा है।

कैसे हुआ था हादसा?

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, इटली के गोताखोरों का यह समूह गुरुवार की सुबह अलीमथा के पास गोताखोरी कर रहा था। दोपहर तक सतह पर वापस न आने पर उन्हें लापता घोषित कर दिया गया था। उस समय मौसम की स्थिति को प्रतिकूल बताया गया था और मौसम के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया गया था।

इस्राइल का हमास के शीर्ष सैन्य कमांडर को मार गिराने का दावा, 6 अक्तूबर 2023 के हमले का था मास्टरमाइंड

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल ने दावा किया है कि उसकी सेना ने शुक्रवार को गाजा सिटी में किए गए एक हवाई हमले में हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख नेताओं में शामिल इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद को मार गिराया। इस्राइल के मुताबिक हद्दाद 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हुए हमास हमलों की योजना और उसे अंजाम देने वाले प्रमुख रणनीतिकारों में से एक था। इस्राइल ने गाजा पट्टी में एक बहुत बड़ा हवाई हमला किया। इस बार इस्राइल के निशाने पर सीधे तौर पर हमास का सबसे बड़ा सैन्य कमांडर था। अब उसकी मौत का खबर साने आ रही है। बताया गया कि उसने यह जिम्मेदारी अपने पूर्ववर्ती मो. सिनवार की मौत के बाद संभाली थी। मोहम्मद सिनवार भी इस्राइल कार्रवाई में मारा गया था। आज हद्दाद के परिवार ने एसोसिएटेड प्रेस को उसकी मौत की पुष्टि की। इस्राइल इसे अपनी सैन्य कार्रवाई की बड़ी सफलता मान रहा है, जबकि क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है। हद्दाद की मौत ऐसे समय में हुई है जब इस्राइल और हमास के बीच संघर्षविराम बेहद नाजुक स्थिति में है। हमास के निरस्त्रीकरण समेत कई अहम मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन पाई है, जिसके कारण युद्धविराम समझौते की प्रगति धीमी पड़ गई है।

संपादकीय

पेट्रोल-डीजल से रसोई तक पड़ेगा असर

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच इस बात की आशंका पहले से जताई जा रही थी कि तेल और गैस की कमी की वजह से आने वाले दिनों में जरूरी वस्तुओं की महंगाई बढ़ती जाएगी। खासतौर पर रसोई गैस की किल्लत की वजह से आम लोगों के सामने कैसी परिस्थितियां पैदा हुईं हैं, यह सब जानते हैं। इस दौरान देश में ईंधन, बिजली और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह से थोक महंगाई दर अप्रैल में 8.3 फीसद दर्ज की गई, जो मार्च में 3.88 फीसद थी। साफ है कि घरेलू बाजार पर अब अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर पड़ना शुरू हो चुका है।

हालांकि कुछ समय पहले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर और विमानन टरबाइन ईंधन के दाम में खासी बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन उसके असर का दायरा कुछ हद तक सीमित था। अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफे का मोर्चा जिस तरह खुला है, उससे साफ है कि अगर ईरान और अमेरिका के बीच टकराव के समय में तेल की आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रही, तो इसका असर जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित करेगा। गौरतलब है कि तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। वहीं सीएनजी की कीमत में भी दो रुपए प्रति किलोग्राम का इजाफा किया गया।

जाहिर है, ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा कीमतों में जिस तरह की तेजी आई है, अब तेल कंपनियां आम उपभोक्ताओं पर भी उसका बोझ सीधे डालना शुरू कर चुकी हैं। यों जब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया था और दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के तेलशोधन केंद्रों और ठिकानों पर मिसाइल दागे गए, तभी से यह साफ था कि इसका असर दुनिया भर में होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ेगा और नतीजतन सभी क्षेत्रों में महंगाई बढ़ेगी।

खासतौर पर उन देशों में ज्यादा मुश्किल पैदा हो सकती है, जहां तेल और गैस की आपूर्ति को सहज बनाए रखने के विकल्प सीमित हैं। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग से दुनिया भर में लगभग बीस से पच्चीस फीसद तेल और गैस की आपूर्ति होती है और इसी वजह से इसके बाधित होने के प्रभाव का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। स्वाभाविक रूप से भारत में भी तेल और गैस की कमी पैदा हुई।

हालांकि अमेरिका की ओर से लगाई गई शर्तों के बीच भारत ने रास्ता निकालने की कोशिश की थी, लेकिन अब युद्ध से उपजी जटिलता जैसे-जैसे लंबी खिंचती जा रही है, वैसे-वैसे विकल्प भी सिमटते जा रहे हैं। यह छिपा नहीं है कि डीजल के दाम में बढ़ोतरी के साथ ही माल ढुलाई की कीमत बढ़ती है और उसकी वजह से सभी जरूरी उपभोक्ता वस्तुओं की महंगाई में बढ़ोतरी होती है। यों फिलहाल डीजल के दाम तीन रुपए बढ़े हैं, लेकिन ईरान और अमेरिका के रुख के असर में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट के जो हालात बने हुए हैं, उसमें यह कहना मुश्किल है कि तेल के दाम में वृद्धि यहीं रुक जाएगी।

ऐसी स्थिति में अगर खाने-पीने से लेकर जरूरत की हर चीज की कीमतें बेलगाम हुईं, तो यह एक स्वाभाविक परिणति होगी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव की वजह से उपजे ऊर्जा संकट में जरूरत इस बात की है कि सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल और गैस की उपलब्धता वाले देशों के साथ कूटनीतिक संवाद स्थापित करे और देश में महंगाई की मुश्किल को कम करने के लिए पहलकदमी करे।

निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर बढ़ा संकट

निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त एवं संवैधानिक संस्था है, जो चुनावी प्रक्रिया का संचालन करने के लिए जवाबदेह है। वही वह संस्था है, जो लोकतंत्र के मूल तत्व को जिंदा बनाए रख सकती है। मगर पिछले कुछ वर्षों से निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर जिस तरह से सवाल उठ रहे हैं, उससे उसकी विश्वसनीयता संदेह के घेरे में आ गई है। दरअसल, कोई भी प्राधिकरण तभी स्वायत्त और निष्पक्ष हो सकता है, जब उस पर कोई बाहरी दबाव न हो और उसके पदाधिकारियों का चयन भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत निष्पक्ष तरीके से किया जाए। निर्वाचन आयोग में नियुक्तियों को लेकर कई स्तर पर आरोप लगते रहे हैं। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस पर महत्त्वपूर्ण टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने गुरुवार को इस मामले में कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संविधान की मूल संरचना का हिस्सा हैं और यह तभी सुनिश्चित किया जा सकता है, जब निर्वाचन आयोग स्वतंत्र हो और इसके कार्यों में स्वायत्तता प्रतीत भी हो। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में लागू किया गया मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 में यह प्रावधान है कि निर्वाचन आयोग में आयुक्तों की नियुक्तियां राष्ट्रपति द्वारा चयन समिति की सिफारिश के आधार पर की जाएगी। इस समिति में पहले प्रधानमंत्री, प्रधान न्यायाधीश और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल थे, मगर नए कानून में प्रधान न्यायाधीश की जगह केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया है। शीर्ष अदालत में इस कानून की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। सवाल है कि तीन सदस्यीय चयन समिति में सरकार के दो प्रतिनिधि शामिल होने से क्या नियुक्ति प्रक्रिया में पूरी निष्पक्षता की उम्मीद की जा सकती है? स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आत्मा को प्रतिबिंबित करता है, ऐसे में अगर निर्वाचन आयोग की संरचना पर ही सवाल उठने रहे, तो जनता के भरोसे का क्या होगा। इसी पहलू पर गौर करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा है कि विश्वास का स्तर इतना होना चाहिए कि ऐसा प्रतीत हो कि चयन समिति में कोई तीसरा निष्पक्ष व्यक्ति भी शामिल है। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से निर्वाचन आयोग में नियुक्ति प्रक्रिया को संतुलित किए जाने की उम्मीद जगी है।

आज का कार्टून

पर्यावरण की फिक्र के समांतर दायित्व...

> डिजिटल दौर में 'फुटप्रिंट' की भाषा, चाहे वह कार्बन की हो या डेटा की, तेजी से लोकप्रिय हुई है। ऐप बताने लगते हैं कि आपकी हर उड़ान, हर भोजन, हर खरीदारी से कितनी अतिरिक्त मात्रा में उत्सर्जन जुड़ रहा है। यह जानकारी उपयोगी है, क्योंकि यह हमारी रोजमर्रा की आदतों को देखने की एक नई दृष्टि देती है, लेकिन जब पूरा नैतिक दायरा केवल व्यक्ति तक सिमट जाता है, तो उत्पादन प्रणालियां, ऊर्जा स्रोतों, व्यापार नियमों और नियामक ढांचों की भूमिका छिप जाती है। सामने दिखता रहता है- केवल गैर-जिम्मेदार उपभोक्ता। यह कहना बिल्कुल उचित नहीं होगा कि व्यक्ति की जिम्मेदारी शून्य है। हर किसी के पास कुछ न कुछ विकल्प होते हैं और हमें अपने हिस्से की जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। निजी जीवन में संयम, संसाधनों का सम्मान, पुनः उपयोग, मरम्मत और साझा उपयोग जैसी आदतें न केवल प्रतीकात्मक हैं, बल्कि व्यावहारिक भी हैं।

कृष्णा राजेंद्र

आज हम ऐसे दौर में हैं जहां पर्यावरणीय संकटों की चेतावनियां लंबी होती जा रही हैं। मौसम का मिजाज बिगड़ रहा है। शहरों की हवा जहरीली हो चुकी है। नदियां कचरे और रासायनिक गंदगी का बोझ ढो रही हैं। कचरे के पहाड़ हमारे ही मोहल्लों की सरहद पर उग आए हैं और रोजमर्रा की जिंदगी में भी इस बदलाव की आहट साफ सुनाई दे रही है। यह सब दूर के भविष्य की चेतावनी नहीं, यह अब हमारा वर्तमान है।

गौर करें तो पाएंगे कि प्रकृति और संसाधन के साथ जो हमारा संबंध था, वह पूरी तरह बदल गया है। हमारी आदतें बदल गई हैं। प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते बदलने के कई कारण हैं। विकास का वैश्विक मॉडल, आर्थिक नीतियां, बाजारवाद, वर्तमान शहर नियोजन और डिजिटल प्लेटफार्म एक साथ मिल कर हमारी आदतें बदल रहे हैं।

मगर व्यवस्था में बदलाव को नजरअंदाज कर अच्छी आदतों के साथ पर्यावरण संरक्षण का सारा बोझ आम लोगों के कंधों पर डालने की परिपाटी है। हर व्यक्ति अपनी कुछ आदतें बदले, तभी पर्यावरणीय संकट से निजात मिल सकती है। बत्ती बंद कीजिए, पानी बचाइए, कचरा अलग कीजिए, कपड़े सोच-समझ कर खरीदिए, कार की जगह बस और मेट्रो का इस्तेमाल कीजिए, इत्यादि। जैसे लगता है कि मौजूदा संकट केवल आम लोगों की आदतों का ही परिणाम हो।

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां ज्यादातर बड़े संकट जैसे प्रदूषण, वैश्विक ताप इत्यादि के मूल में पिछले कई दशकों से अपनाई गई व्यवस्था है। मगर सरलीकरण का आलम यह है कि अंगुली सबसे पहले आम लोगों की आदतों पर उठती है। जलवायु परिवर्तन से लेकर पानी, ऊर्जा और कचरे के सवाल तक, सार्वजनिक विमर्श में अक्सर यह संदेश गूंजता है कि अगर आम लोग थोड़ी 'अच्छी आदतें' अपना लें, तो हालात बदल सकते हैं। नल बंद रखिए, प्लास्टिक थैला छोड़िए, साइकिल चलाइए, ये सब जरूरी बातें हैं। मगर जब पूरा ध्यान यहीं केंद्रित हो जाता है, तो असली वजह धुंधली होने लगती है। व्यवस्थाजनित संकटों का समाधान केवल व्यक्तिगत संयम में खोजना एक तरह से जिम्मेदारी के बड़े हिस्से को अदृश्य कर देना भी है।

पानी का सवाल उठाएं, तो चर्चा अक्सर हमारे स्नानागार और रसोई से शुरू होती है। सलाह दी जाती है कि ब्रश करते समय नल न बहने दें, बाल्टी से नहाएं, पाइप से गाड़ी न धोएं। इन सबका महत्त्व कम नहीं है, लेकिन वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर जल-उपयोग का सबसे बड़ा हिस्सा खेती, उद्योग और शहरी आपूर्ति व्यवस्था में खपता है, जबकि घरेलू उपयोग उसका छोटा अंश है। खेतों तक जाने वाली नहरों में यदि जगह-जगह रिसाव हो, शहरों की पाइपलाइनें वर्षों से मरम्मत के बिना पानी बहाती रहें और उद्योग अपना गंदा पानी बिना शोधन के नदियों में छोड़ते रहें, तो अकेले घरों का अनुशासन कुल तस्वीर को कितना ही बदल पाएगा। फिर भी जागरूकता अभियानों में दिखाई देता है- टपकता नल और ब्रश करता बच्चा, न कि रिसाव वाली नहर या अंधेरे में चुपचाप नदी की ओर बहता फैक्टरी का नाला।

ऊर्जा मामले में भी यही कहानी दोहराई जाती है। सवाल है कि ऊर्जा-उपभोग और उत्सर्जन की सबसे बड़ी मांग कहां से आ रही है। भारी उद्योग, सीमेंट, इस्पात और रसायन उद्योग, डेटा सेंटर, विमानन तथा मालवाहक जहाज, ये सारे क्षेत्र मिल कर ऊर्जा की बहुत बड़ी हिस्सेदारी निगलते हैं, जबकि घरेलू स्तर की बचत का दायरा संरचनात्मक सहयोग के बिना सीमित रह जाता है।

उपभोग के मोर्चे पर हम सब एक खालिस उपभोक्ता बनते जा रहे हैं। बाजार व्यवस्था की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण है। बाजार में उपलब्ध अधिकतर उत्पाद इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि उनकी उम्र सीमित रहे। मरम्मत कठिन या महंगी हो और उपभोक्ता कुछ वर्षों में नया सामान लेने को प्रेरित हो जाए। मोबाइल फोन और टीवी से लेकर घरेलू उपकरणों तक यह प्रवृत्ति अब औद्योगिक मॉडल का हिस्सा बन चुकी है।

उपभोक्ताओं से कहा जाता है कि कम खरीदिए, सोच-समझ कर खरीदिए, लेकिन जब दुकान में टिकाऊ और मरम्मत-योग्य विकल्प लगभग नदारद हों तथा सस्ते वही सामान हों जो जल्दी टूटने के लिए बनाए गए हों, तो जिम्मेदार उपभोग की नैतिकता भी अपने आप में अधूरी हो जाती है।

'इस्तेमाल करो और फेंको' की व्यवस्था ने हमारी प्रकृति सम्मत आदतों की जमीन ही बदल दी। बोतलबंद पानी से लेकर सुविधाजनक पैकेजिंग और तेज विकल्प ने जीवन को निस्संदेह आसान बनाया, पर बदले में प्लास्टिक, थर्मोकोल और ई-कचरे के पहाड़ खड़े कर दिए। ऑनलाइन बाजारों ने एक कदम और आगे बढ़कर प्रचार-रणनीतियों से हमारी इच्छाओं का नक्शा तक अपने हाथों में ले लिया है। 'केवल आज की विशेष छूट' और 'बस दो पीस बचे हैं' जैसी तरकीबें यह सुनिश्चित करती हैं कि जरूरत और चाहत के बीच की रेखा लगातार धुंधली होती जाए।

नए शहरों के नियोजन में भी इसी तरह का विरोधाभास दिखाई देता है। सार्वजनिक अपील यह होती है कि लोग निजी वाहन कम चलाएं, बस और मेट्रो का उपयोग करें। आसपास जाने के लिए साइकिल चलाएं और पैदल चलें। मगर जैसे-जैसे शहरों का विस्तार हुआ है, नई आबादी ज्यादातर उन इलाकों में बसाई गई है जहां न भरोसेमंद बस सेवा है, न मेट्रो और न साइकिल पथ। ऐसी स्थिति में निजी वाहन विकल्प नहीं, मजबूरी बन जाता है। आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग इस मजबूरी को कार और दोपहिया से संभाल लेता है। जो नहीं संभाल पाते वे रोजमर्रा की यात्रा में समय और सुरक्षा दोनों की ऊंची कीमत चुकाते हैं। बाद में यही लोग भीड़ और प्रदूषण बढ़ाने वाले नागरिकों की श्रेणी में डाल दिए जाते हैं, जबकि शहर की मौलिक योजना और परिवहन नीति पर सवाल अपेक्षाकृत कम ही उठते हैं।

डिजिटल दौर में 'फुटप्रिंट' की भाषा, चाहे वह कार्बन की हो या डेटा की, तेजी से लोकप्रिय हुई है। ऐप बताने लगते हैं कि आपकी हर उड़ान, हर भोजन, हर खरीदारी से कितनी अतिरिक्त मात्रा में उत्सर्जन जुड़ रहा है। यह जानकारी उपयोगी है, क्योंकि यह हमारी रोजमर्रा की आदतों को देखने की एक नई दृष्टि देती है, लेकिन जब पूरा नैतिक दायरा केवल व्यक्ति तक सिमट जाता है, तो उत्पादन प्रणालियों, ऊर्जा स्रोतों, व्यापार नियमों और नियामक ढांचों की भूमिका छिप जाती है। सामने दिखता रहता है- केवल गैर-जिम्मेदार उपभोक्ता।

यह कहना बिल्कुल उचित नहीं होगा कि व्यक्ति की जिम्मेदारी शून्य है। हर किसी के पास कुछ न कुछ विकल्प होते हैं और हमें अपने हिस्से की जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। निजी जीवन में संयम, संसाधनों का सम्मान, पुनः उपयोग, मरम्मत और साझा उपयोग जैसी आदतें न केवल प्रतीकात्मक हैं, बल्कि व्यावहारिक भी हैं। संकट मौजूदा आर्थिक व्यवस्था और विकास के प्रारूप के हैं, तो समाधान भी व्यवस्था के स्तर पर ही निकलेंगे, हालांकि उनकी शुरुआत व्यक्ति से होकर ही गुजरती है। जरूरत उस संतुलित दृष्टि की है जिसमें हम न तो सारी उम्मीद 'ऊपर की शक्तियों' पर छोड़ दें, न ही पूरा नैतिक बोझ केवल आम नागरिकों पर डाल दें।

जब व्यक्तिगत नैतिकता और व्यवस्थागत बदलाव एक-दूसरे के पूरक की तरह देखे जाएं, तभी यह उम्मीद की जा सकती है कि हमारी सामूहिक शक्ति सचमुच उस दिशा में काम करेगी जहां पृथ्वी, समाज और भविष्य, तीनों के हित एक साथ बचाए जा सकें।

जीवन को नए अर्थ देती सकारात्मक दृष्टि

> जब समाज इस दृष्टि को अपनाता है, तो संबंधों की प्रकृति में एक गहरा परिवर्तन आता है। हम खोने के भय में जीने के बजाय, पाने के सौभाग्य को महसूस करने लगते हैं। हम शिकायतों के बोझ से मुक्त होकर, कृतज्ञता के उजाले में जीना सीखते हैं। शोक हमें अतीत में जकड़ता है, जबकि शुक्रिया हमें वर्तमान में जड़ें जमाने और भविष्य की ओर आशा से देखने की प्रेरणा देता है। आज का समय जहां तेजी, प्रतिस्पर्धा और एकाकीपन का दबाव बढ़ता जा रहा है, वहां यह दृष्टिकोण और भी आवश्यक हो उठता है। हम अक्सर यह गिनते रहते हैं कि हमें क्या नहीं मिला- समय, समझ, साथ, अवसर।

संध्या राजपुरोहित

जीवन केवल घटनाओं का क्रम नहीं, बल्कि अनुभवों का एक गहरा स्रोत है, जिसमें सुख की चमकती लहरें भी हैं और दुख की अथाह गहराइयां भी। हम इन गहराइयों में उतरते हैं, कभी टूटते हैं, तो कभी संभलते हैं। प्रश्न यह है कि क्या हर क्षति, हर वियोग, हर असफलता केवल शोक या दुख का कारण है? या उसके भीतर कोई ऐसी रोशनी भी छिपी है, जो हमें जीवन को नए अर्थों में देखने का साहस देती है?

'शोक/दुख नहीं, शुक्रिया करें' यह विचार केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि जीवन को समझने की एक परिपक्व, संतुलित और मानवीय दृष्टि है। जिंदगी बार भी टूटना होता है, वह सबक होता है, तो संभलना दरअसल जिंदगी के नए अध्यायों को सीखना। तो इसके प्रति कृतज्ञता और धन्यवाद का भाव मानवीय संवेदनाओं के लिहाज से एक सहज प्रतिक्रिया होनी चाहिए। मगर भावुकता में हम कई बार इन पहलुओं को नजरअंदाज कर देते हैं और इस तरह एक सुंदर संवेदन के जरूरी पक्ष के अहसास से दूर रह जाते हैं। हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में शोक की अपनी गरिमा और गहराई है। यह हमारे प्रेम, लगाव और संबंधों की सच्चाई को दर्शाता है। जब कोई अपना बिछड़ता है, तो आंसू आना स्वाभाविक है। जब कोई सपना अधूरा रह जाता है, तो पीड़ा भी स्वाभाविक है। मगर समस्या तब जन्म लेती है, जब यही दुख की स्थिति हमारे भीतर स्थायी निवास बना लेती है, जबकि यह हमें वर्तमान से काट देता है और जीवन की संभावनाओं को धुंधला कर देता है।

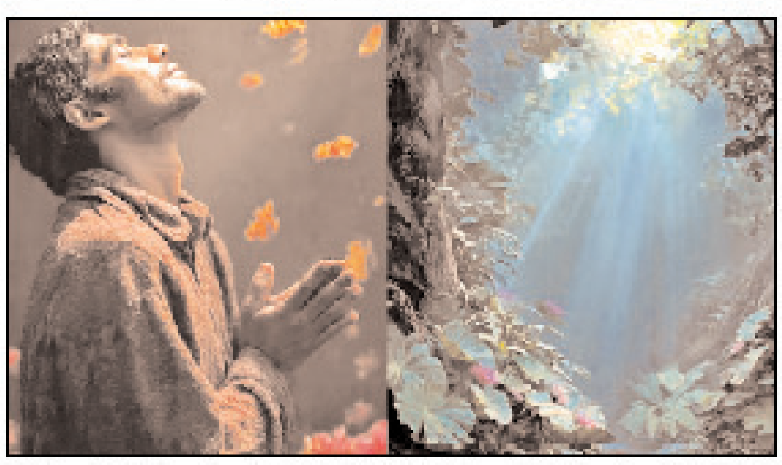

यहीं शुक्रिया का भाव एक प्रकाश स्तंभ की तरह उभरता है। शुक्रिया यानी कृतज्ञता। यह वह सूक्ष्म, लेकिन शक्तिशाली भाव है, जो हमें हर अनुभव के भीतर छिपे अर्थ को पहचानने की दृष्टि देता है। अगर कोई व्यक्ति हमारे जीवन से विदा हो गया, तो क्या केवल उसका जाना ही हमारे स्मरण का केंद्र होना चाहिए? या फिर यह भी हो सकता है कि उसने हमारे जीवन को अपनी उपस्थिति से समृद्ध किया, कुछ अनमोल क्षण दिए, कुछ सीखें दीं, कुछ स्मृतियां दीं, जो आज भी हमारे अस्तित्व में धड़कती हैं और इसके लिए उसके प्रति कृतज्ञता का भाव होना चाहिए।

जब समाज इस दृष्टि को अपनाता है, तो संबंधों की प्रकृति में एक गहरा परिवर्तन आता है। हम खोने के भय में जीने के बजाय, पाने के सौभाग्य को महसूस करने लगते हैं। हम शिकायतों के बोझ से मुक्त होकर, कृतज्ञता के उजाले में जीना सीखते हैं। शोक हमें अतीत में जकड़ता है, जबकि शुक्रिया हमें वर्तमान में जड़ें जमाने और भविष्य की ओर आशा से देखने की प्रेरणा देता है।

आज का समय जहां तेजी, प्रतिस्पर्धा और एकाकीपन का दबाव बढ़ता जा रहा है, वहां यह दृष्टिकोण और भी आवश्यक हो उठता है। हम अक्सर यह गिनते रहते हैं कि हमें क्या नहीं मिला- समय, समझ, साथ, अवसर। अगर हम ठहरकर यह देखने लगें कि हमें क्या मिला है, तो हमारी दृष्टि ही बदल जाती है। यही परिवर्तन हमें भीतर से समृद्ध करता है।

सामाजिक स्तर पर भी यह विचार अत्यंत सार्थक है। जब कोई आपदा आती है, चाहे वह प्राकृतिक हो या मानवीय, तो समाज शोक में डूब जाता है, जो स्वाभाविक है, लेकिन अगर उसी क्षण हम यह भी देखें कि उस संकट ने हमें क्या सिखाया- मानवता का हाथ थामना, एक-दूसरे के लिए खड़ा होना, संवेदनाओं को जीवित रखना, तो हम उस पीड़ा को केवल अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत के रूप में भी देख सकते हैं।

व्यक्तिगत जीवन में असफलताएं भी इसी दृष्टि की मांग करती हैं। हर बार की हार केवल हार नहीं होती। वह एक संकेत होती है रुककर सोचने का, दिशा बदलने का और स्वयं को नए सिरे से गढ़ने का। अगर हम अपनी असफलताओं के प्रति भी कृतज्ञ हो सकें, तो वे हमारे विकास की सीढ़ियां बन जाती हैं।

'दुख नहीं मनाएं, शुक्रिया करें' का आशय यह नहीं है कि हम अपने दुख को नकार दें या संवेदनहीन हो जाएं, बल्कि इसका अर्थ है दुख को पूरे मन से स्वीकार करना, पर उसमें स्थायी रूप से डूब नहीं जाना। यह एक संतुलन की साधना है, जहां आंसू भी अपनी जगह पर हैं और मुस्कान भी अपना अर्थ नहीं खोती।

अगर यह भाव हमारे परिवारों और समाज में स्थान पा जाए, तो हमारी अगली पीढ़ियां जीवन को अधिक सकारात्मक और संतुलित दृष्टि से देख सकेंगी। वे विपरीत परिस्थितियों में टूटेंगी नहीं, बल्कि उनमें अवसर खोजेंगी। वे संबंधों को बोझ नहीं, बल्कि उपहार मानेंगी।

आखिर जीवन एक अनवरत यात्रा है, जहां हर मोड़ पर कुछ छूटता है, कुछ मिलता है। अगर हम हर छूटने पर केवल शोक मनाएंगे, तो इस यात्रा की सुंदरता से वंचित रह जाएंगे, लेकिन अगर हम हर मिलने और छूटने दोनों के लिए 'शुक्रिया' कहना सीख जाएं, तो जीवन केवल एक संघर्ष नहीं, बल्कि एक उत्सव बन सकता है।

इसलिए, जब भी जीवन हमें किसी कठिन मोड़ पर लाकर खड़ा करे, तो एक पल ठहर कर, उसके बाद मुस्कुराकर हमें यह कहना चाहिए कि 'शुक्रिया', क्योंकि हर अनुभव, चाहे वह कैसा भी हो, हमें कुछ सिखाने, कुछ गढ़ने और कुछ नया बनाने ही आता है।

अल-नस्र की हार से टूटा रोनाल्डो का सपना, फाइनल के बाद मेडल लेने से भी किया इनकार

रियाद, एजेंसी। सऊदी क्लब अल-नस्र और फुटबॉल सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए शनिवार की रात बेहद निराशाजनक साबित हुई। एएफसी चैंपियंस लीग टू के फाइनल में जापान के गाम्बा ओसाका ने अल-नस्र को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस हार के बाद रोनाल्डो ने रनर-अप मेडल लेने से भी इनकार कर दिया, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से हो रही है।

डेनिज हम्मत का गोल बना फर्क

मुकाबले में अल-नस्र ने गेंद पर ज्यादा कब्जा रखा और लगातार अटैक किए, लेकिन टीम गोल करने में नाकाम रही। वहीं गाम्बा ओसाका ने मिले मौके का शानदार फायदा उठाया। मैच के 30वें मिनट में तुर्की फॉरवर्ड डेनीज हमात ने बॉक्स के अंदर से शानदार लो शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद लंबा वीएआर चेक हुआ, लेकिन आखिरकार गोल को मान्यता दे दी गई। हम्मत ने मैच के बाद कहा, 'मैं खुश हूं कि मैंने गोल किया और टीम की मदद कर सका। दूसरे हाफ में मैं काफी नर्वस था, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि हमने जीत हासिल की। मुझे अपने साथियों पर गर्व है।'

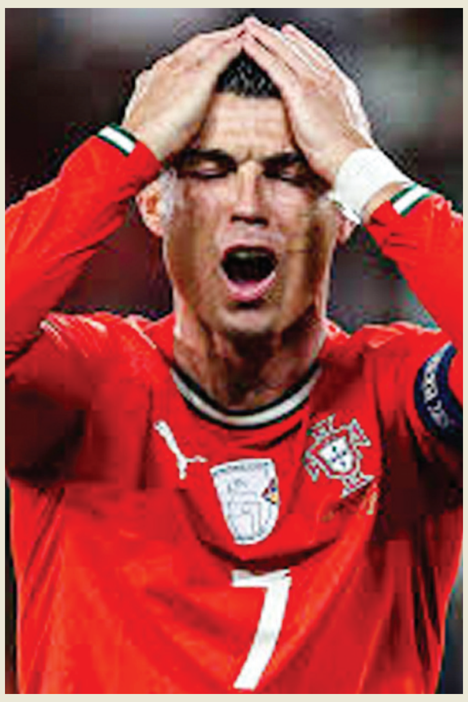

रोनाल्डो और फेलिक्स से चूके मौके

अल-नस्र के स्टार खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। पहले हाफ के अंत में रोनाल्डो को बराबरी का शानदार मौका मिला, लेकिन जोआओ फेलिक्स के क्रॉस पर उनका हेडर गोलपोस्ट के बाहर चला गया। इसके बाद मैच खत्म होने से 13 मिनट पहले फेलिक्स का लंबी दूरी का शॉट पोस्ट से टकरा गया। ओसाका की मजबूत डिफेंस लाइन ने अल-नस्र के स्टार अटैक को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

हार के बाद मेडल लेने से किया इनकार

फाइनल हारने के बाद रोनाल्डो काफी निराश नजर आए। मैच खत्म होने के बाद उन्होंने रनर-अप मेडल लेने से इनकार कर दिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नस्र से जुड़े थे, लेकिन अब तक वह क्लब को कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब नहीं दिला सके हैं।

महज 21 साल की उम्र में अंगकृष रघुवंशी ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड

एक ही सीजन में ठोके पांच अर्धशतक

शुभमन गिल और बटलर का संघर्ष गया बेकार

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के 60वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 29 रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ कोलकाता ने 'प्लेऑफ' की उम्मीदों को बरकरार रखा है। कोलकाता 12 में से 5 मैच जीतकर 11 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में सातवें पायदान पर मौजूद है, जबकि गुजरात टाइटंस 13 में से 8 मुकाबले जीतकर दूसरे पायदान पर बनी हुई है। गुजरात का मकसद अपने अगले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को शिकस्त देकर 18 अंकों के साथ अगले दौर का टिकट हासिल करना होगा। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 218 रन ही बना सकी। इस टीम को साईं सुदर्शन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। वह महज 21 साल की उम्र में एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

रघुवंशी का रिकॉर्ड

21 साल और 345 दिन की उम्र में रघुवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ महज 33 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो उनके आईपीएल करियर का सातवां अर्धशतक था। एक आईपीएल सीजन में 21 साल की उम्र में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ऋषभ पंत (साल 2018) और यशस्वी जायसवाल (साल 2023) शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 6-6 बार यह कारनामा किया है। वहीं, देवदत्त पड्डिकल ने साल 2022 में पांच बार ऐसा किया था।

रघुवंशी के पांच अर्धशतक

अंगकृष रघुवंशी ने इस आईपीएल सीजन के अपने पहले ही मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 51 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 52 रन बनाए। अंगकृष ने तीन मई को सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध दूसरे मैच में भी अर्धशतक (59) लगाया, जिसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 71 रन की पारी खेली।

केकेआर की पारी

आईपीएल 2026 के 60वें मुकाबले में केकेआर ने 20 ओवरों में दो विकेट खोकर 247 रन बनाए। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने फिन एलन के साथ पहले विकेट के लिए 4.3 ओवरों में 44 रन की साझेदारी की। रहाणे 14 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद एलन ने अंगकृष रघुवंशी के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 95 रन जोड़े। फिन एलन 35 गेंदों में 10 छक्कों और चार चौकों के साथ 93 रन की पारी खेलकर आउट हुए। यहां से रघुवंशी ने कैमरन ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 108 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 247/2 के स्कोर तक पहुंचाया। रघुवंशी 44 गेंदों में सात छक्कों और चार चौकों के साथ 82 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि कैमरून ग्रीन ने 28 गेंदों में चार छक्कों और तीन चौकों के साथ 52 रन की नाबाद पारी खेली।

कोलकाता की शुरुआत बेहद आक्रामक रही, दिखाया दम

कोलकाता की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। टीम के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही गुजरात के गेंदबाजों पर दबाव बनाया और लगातार बड़े शॉट लगाए। मिडिल ऑर्डर ने भी तेजी से रन जोड़ते हुए स्कोर को 240 के पार पहुंचाया। ईडन गार्डन्स की बल्लेबाजी के लिए मददगार पिच का पूरा फायदा उठाया। गुजरात टाइटंस की ओर से गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए। कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान जैसे अनुभवी गेंदबाज भी रन गति पर अंकुश नहीं लगा सके। चच्रक्रे बल्लेबाजों ने पावरप्ले से लेकर डेथ ओवर्स तक लगातार आक्रमण जारी रखा। 248 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस ने भी दमदार शुरुआत की। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने तेज रन बनाए, लेकिन बढ़ते रन रेट के दबाव में टीम लगातार बड़े शॉट खेलने को मजबूर रही।

राहुल द्रविड़ ने कोच गंभीर की सोच से जताई असहमति! बोले-

क्रिकेट में सुपरस्टार और हीरो जरूरी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच और दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट में सुपरस्टार संस्कृति को खत्म करने की बात पर अपनी अलग राय रखी है। मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर लगातार इस बात की वकालत करते रहे हैं कि टीम खेल में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की सफलता को महत्व दिया जाना चाहिए। हालांकि, द्रविड़ ने गंभीर की सोच को पूरी तरह गलत नहीं बताया, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि हर खेल को अपने हीरो और सुपरस्टार की जरूरत होती है। उनका मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना शानदार प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता।द्रविड़ ने हाल के समय में भारतीय टेस्ट टीम के प्रदर्शन पर भी अपनी राय दी। उन्होंने माना कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की जगह भरना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'रेड-बॉल क्रिकेट में अच्छा करने का जुनून टीम में मौजूद है। हाल के कुछ सीरीज में भारतीय टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन ऐसा कभी-कभी होता है। कुछ बड़े खिलाड़ी हाल ही में रिटायर हुए हैं और उनकी कमी जरूर महसूस होगी। हालांकि भारतीय क्रिकेट अब भी मजबूत है और मुझे भरोसा है कि टीम हर फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धी बनी रहेगी।'द्रविड़ ने यह भी कहा कि मौजूदा समय में काफी ज्यादा व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेला जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग फॉर्मेट में लगातार खुद को ढालना आसान नहीं होता। पूर्व कप्तान को उम्मीद है कि भारतीय टीम आने वाले समय में वापसी करेगी।

सुनील नरेन ने रचा इतिहास

200 मैच खेलने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्पिनर सुनील नरेन ने इतिहास रच दिया है। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरते ही उन्होंने अपने 200 आईपीएल मैच पूरे कर लिया है। आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले वह पहले विदेशी खिलाड़ी हैं।

सुनील नरेन ने रचा इतिहास

सुनील नरेन केकेआर की तरफ से भी 200 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। नरेन 2012 में केकेआर से जुड़े थे और उसके बाद से लगातार इसी टीम के लिए खेल रहे हैं। नरेन टीम के बड़े मैच विनर हैं। टीम को 2012, 2014 और 2024 में चैंपियन बनाने में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के इस खिलाड़ी का अहम योगदान रहा है। नरेन एक ऑफ स्पिनर हैं, लेकिन गेंदबाजी के अलावा अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से भी वह टीम को मैच जिताते रहे हैं। गुजरात के खिलाफ मैच से पहले खेले 199 मैचों की 126 पारियों में 22 बार नाबाद रहते हुए नरेन ने 1,820 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से सात अर्धशतक और एक शतक आया है। इसके अलावा 197 पारियों में गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 203 विकेट लिए हैं। नरेन आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले विदेशी गेंदबाज भी हैं और सर्वाधिक सफल गेंदबाजों की सूची में युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार के बाद तीसरे नंबर पर हैं। केकेआर के लिए सर्वाधिक आईपीएल मैच खेलने वाले खिलाड़ियों में नरेन 200 मैच के साथ पहले स्थान पर हैं।

एलिना ने जीता इटैलियन ओपन का खिताब

रोम। सातवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विमेंस सिंगल्स फाइनल मुकाबले में कोको गॉफ को दो घंटे तक चले मैच में 6-4, 6-7 (3), 6-2 से हराकर इटैलियन ओपन के खिताब को अपने नाम किया। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना और सेमीफाइनल में इगा स्वियाटेक को हराकर फाइनल में पहुंचीं स्वितोलिना पिछले साल की रनर-अप गॉफ के खिलाफ शुरुआत में दबाव में दिखाई दीं और पहले सेट में 2-4 से पीछे चल रही थीं। मैच का टर्निंग पॉइंट आठवें गेम में आया, जब गॉफ ने 40-0 की लीड बनाने के बाद दो बार डबल-फॉल्ट किया, जिससे स्वितोलिना को ब्रेक बैक करने का मौका मिला। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेनी खिलाड़ी स्वितोलिना ने फिर नौवें गेम में तीन ब्रेक पॉइंट बचाकर सर्व बनाई रखी और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। दूसरा सेट में स्वितोलिना और गॉफ के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। गॉफ ने 11वें गेम में अहम ब्रेक लिया, लेकिन जब वह सेट जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब स्वितोलिना ने तुरंत वापसी करते हुए ब्रेक हासिल कर लिया और मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंच गया। टाईब्रेक में गॉफ ने शानदार खेल दिखाया और सेट को 7-3 से अपने नाम करते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया। स्वितोलिना ने पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक करके निर्णायक सेट में कंट्रोल वापस पा लिया। चैंपियनशिप के लिए सर्व करते हुए, उन्होंने बैकहैंड वॉली लगाकर अपनी जीत पक्की करने से पहले तीन ब्रेक पॉइंट बचाए। यह जीत रोम में उनका तीसरा सिंगल्स टाइटल और उनके करियर का 20वां डब्ल्यूटीए सिंगल्स टाइटल है।

थाईलैंड ओपन के फाइनल में हारे सात्विक-चिराग, मार्टिन-कार्नांडो ने दी शिकस्त

बैंकॉक, एजेंसी। भारत की स्टार पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतने से चूक गई। बैंकॉक में खेले गए रोमांचक फाइनल में इंडोनेशिया की लियो कार्नांडो और डेनिएल मार्टिन की जोड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 25-23 से हराया।

पहले गेम में लय नहीं पकड़ सके सात्विक-चिराग

दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। चिराग शुरुआती सर्विस एक्सचेंज में संघर्ष करते दिखे, जिसका फायदा इंडोनेशियाई जोड़ी ने उठाया और जल्दी 4-1 की बढ़त बना ली। हालांकि भारतीय जोड़ी ने कुछ समय तक मुकाबले में बने रहने की कोशिश की, लेकिन लियो और डेनियल के आक्रामक स्मैश और तेज नेट प्ले के सामने वे टिक नहीं सके। इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और पहला गेम 21-12 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में दिखाया जबरदस्त जज्बा

पहला गेम गंवाने के बाद सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की। भारतीय जोड़ी ने तेज रफ्तार रैलियों और बेहतर नेट गेम के दम पर मुकाबले में बराबरी बनाई। एक समय भारतीय जोड़ी 7-5 से आगे निकल गई और फिर दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। स्कोर 14-14 से लेकर 19-19 तक बराबरी पर चलता रहा। इसके बाद इंडोनेशियाई जोड़ी ने लगातार चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए, लेकिन सात्विक और चिराग ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए चार बार मुकाबला बचा लिया। हालांकि पांचवें चैंपियनशिप प्वाइंट पर भारतीय जोड़ी नेट में शटल मार बैठी और मुकाबला हार गई।सात्विक और चिराग के लिए यह सीजन का पहला फाइनल था। सात्विक के कंधे की चोट के कारण भारतीय जोड़ी कुछ टूर्नामेंट नहीं खेल पाई थी, लेकिन वापसी के बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। यह थाईलैंड ओपन में उनका तीसरा फाइनल था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670